आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 29 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 260
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

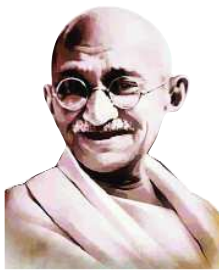

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

फैशन शो से वेबसीरीज तक सृजन की पहचान बना रहे पार्थ जैन

पेज-2

'चुंबक' से कॉमेडी में कदम रख रहीं संदीपा धर

पेज-5

त्योहार आते ही भिखारियों की संख्या बढ़ी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- श्रावण पूर्णिमा पर अमरनाथ गुफा पहुंची छड़ी मुबारक, पूरे विधि-विधान से हुआ पूजन
- प्रयागराज में स्वामीनारायण मंदिर का तीन मंजिला हिस्सा भरभराकर गिरा, गड्ढे में धंसा
- नेपाल में बाढ़ से 626 मौतें, लापता लोगों की तलाश जारी
- नेपाल बाढ़ पर खड़गे की पीएम और गृहमंत्री को चिट्ठी, भारतीयों की मदद की मांग
- गंडक बैराज के डिस्चार्ज में उतार-चढ़ाव, 97,500 क्यूसेक पर बहाव सामान्य
- PoK के 'प्रधानमंत्री' चुने गए PML-N के इफ्तिखार गिलानी
- सिंधु जल संधि पर भारत के आगे बेबस पाकिस्तान, दुनिया के सामने लगाई गुहार
- अमेरिका-इजरायल के खिलाफ ईरान सबसे आगे, हिज्बुल्लाह चीफ का बड़ा दावा
- भोटेकोशी-त्रिशूली में बहाव सामान्य, बाढ़ का खतरा बरकरार
- मोहन भागवत अमेरिका में आज एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे
- इजरायली हमलों में गाजा में 5 लोगों की मौत
- UGC-NET जून 2026 की परीक्षा के नतीजे घोषित
- दिल्ली में CNG के दाम करीब 4 रुपये बढ़े
- केरल के मुख्यमंत्री का काफिला रोके जाने के बाद डीसीसी सदस्य गिरफ्तार
- राजा हेराल्ड पंचम के निधन के बाद 'हाकोन अष्ठम' को मिली नार्वे की राजगद्दी

राहुल गांधी इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में भरेंगे हुंकार!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के अन्य शहरों के साथ मप्र में भी कांग्रेस बड़े स्तर पर छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार यह कार्यक्रम सितंबर में इंदौर में आयोजित किया जा सकता है। कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर मप्र कांग्रेस की अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पदाधिकारियों के साथ प्रारंभिक दौर की चर्चा हो चुकी है। हालांकि कार्यक्रम की तारीख, स्थान और राहुल गांधी के दौरे को लेकर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है। के नेताओं का मानना है कांग्रेस सूत्रों के अनुसार छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए प्रदेश के दो शहरों इंदौर और जबलपुर के नाम चर्चा में हैं। पार्टी इंदौर को प्राथमिकता दी जा सकती है। इंदौर प्रदेश का प्रमुख एजुकेशन हब है और यहां बड़ी संख्या में कॉलेज एवं विश्वविद्यालय हैं। ऐसे में छात्रों के बीच कार्यक्रम का प्रभाव अधिक होने की उम्मीद है।

विजय शाह की फाइल शासन ने भेजी, फैसला करेंगे राज्यपाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के मामले में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई संबंधी निर्णय के लिए फाइल तीसरे दिन गवर्नर ऑफिस को भेजे जाने की सूचना है। मामले पर अंतिम निर्णय गवर्नर के स्तर पर ही लिया जाना है। गवर्नर पटेल अभी गुजरात प्रवास पर हैं, वह सोमवार (31 अगस्त) को भोपाल

लौटेंगे। उसी दिन सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई प्रस्तावित है।

इसलिए इस बात की संभावना बहुत कम है कि 31 अगस्त को ही मामले में तत्काल फैसला हो जाए। जानकारों का कहना है कि ऐसी स्थिति बनने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार यही पक्ष रख सकती है कि प्रकरण की फाइल गवर्नर ऑफिस को भेज दी गई है। जैसे ही गवर्नर ऑफिस निर्णय की सूचना देगा, कोर्ट को अवगत करा दिया जाएगा।

भागीरथपुरा की हर चौथी गली में मातम सा माहौल

दूषित पानी की त्रासदी के बाद में पहला रक्षाबंधन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रक्षाबंधन यानी भाई-बहन के रिश्ते, प्यार और अपनापन का त्योहार। बाजारों में रंग-बिरंगी राखियां, मिठाइयों की खुशबू और भाई की कलाई पर राखी बांधती बहनों की मुस्कान... लेकिन इंदौर के भागीरथपुरा में इस बार त्योहार का रंग फीका है। राखियां तो दुकानों पर सजी हैं, मगर कई कलाइयां हमेशा के लिए सूनी हो चुकी हैं। दूषित पानी की त्रासदी में 36 लोगों की मौत के बाद यह पहला रक्षाबंधन है, जब कई परिवार अपनों के बिना त्योहार मनाने को मजबूर हैं।

भागीरथपुरा की गलियों में इस बार त्योहार की रौनक से ज्यादा खामोशी नजर आती है। जिन घरों में हर साल बहनों के आने और बच्चों की किलकारियों से चहल-पहल रहती थी, वहां इस बार अपनों की यादें हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ गलियों के अंतराल पर ऐसा परिवार मिल जाता है, जिसने इस त्रासदी में अपना कोई सदस्य खोया है।

राखी हाथ में है... भाई की कलाई नहीं-पांच महीने के अव्यान की मौत भी दूषित पानी के कारण हुई थी। उसकी बहन किंजल के हाथ में आज एक राखी है। यह वही राखी है, जिसे उसने पिछले साल अपने भाई के लिए खरीदा था। राखी बड़ी थी, इसलिए उस समय बांध नहीं पाई। उसने उसे संभालकर रख लिया था कि अगले साल भाई की कलाई पर बांधेगी।

परिवार का कहना है कि भागीरथपुरा के लोगों को अब तक न्याय नहीं मिला है। दोषियों को सजा नहीं हुई। उन्हें न्यायालय से उम्मीद है कि एक दिन उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। उनका कहना है कि इलाके के पानी में अभी भी कई बार बदबू आती है। वे फिटकरी डालकर पानी साफ करते हैं। परिवार की मांग है कि प्रशासन मुआवजे की राशि बढ़ाए, ताकि प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिल सके। भागीरथपुरा में वर्षों से राखी की दुकान लगाने वाले विकास बताते हैं कि इस बार बिक्री काफी कम है। रक्षाबंधन से पहले जिस बाजार में भीड़ रहती थी, वहां दुकानदार ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं।

त्योहार के आने से पहले ही यहां सन्नाटा पसरा हुआ है।

राखियां हैं... पर खुशियां नहीं

भागीरथपुरा में इस बार रक्षाबंधन की तस्वीर कुछ ऐसी है कि किसी घर में मां नहीं है, किसी में बेटा नहीं है और किसी में भाई नहीं है। राखी की दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियां अब भी टंगी हैं। मिठाइयां भी बिक रही हैं। लेकिन जिन घरों में कभी इस त्योहार पर हंसी-खुशी गूंजती थी, वहां इस बार अपनों की यादें हैं।

जन्म के 24 घंटे में पता चलेगा सिकल सेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवायएच) स्थित सेंटर फॉर कंपेटेंसी फॉर स्कील सेल डिसेज में अब जन्म के शुरुआती समय में ही सिकल सेल बीमारी की पहचान करने की तैयारी है। सेंटर में न्यूबोर्न स्क्रीनिंग को बड़े स्तर पर शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। केंद्र सरकार ने सेंटर की सुविधाओं और कामकाज का निरीक्षण करने के बाद इसके लिए वित्तीय और उपकरण संबंधी मदद देने का आश्वासन दिया है। इस सुविधा के शुरू होने के बाद बच्चे में बीमारी के लक्षण आने या गंभीर स्थिति बनने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जन्म के समय ही स्क्रीनिंग के जरिए सिकल सेल का खतरा पहचाना जा सकेगा। इसका सबसे ज्यादा फायदा मध्यप्रदेश के जनजातीय और सिकल सेल प्रभावित क्षेत्रों में मिलेगा। एमवायएच में फिलहाल सिकल सेल एनीमिया के करीब 1400 मरीज रजिस्टर्ड हैं। इन्हें अस्पताल में उपचार और अन्य जरूरी सुविधाएं दी जा रही हैं।

80 हजार से अधिक स्टूडेंट्स को मिलेंगे लैपटॉप के पैसे

1 सितंबर को आएंगे 25 हजार रुपए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में 12वीं के मेधावी छात्रों के लिए बड़ी खबर है। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र छात्रों के खाते में 1 सितंबर को 25 हजार रूपए ट्रांसफर किए जाएंगे। मध्य प्रदेश में 12वीं में 75% या ज्यादा अंक पाने वाले विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा। इन्हें लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। यह राशि । सितंबर को खाते में आएगी। करीब 80,180 विद्यार्थी इसके पात्र हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी है। जिन विद्यार्थियों ने 75% या इससे ज्यादा अंक हासिल किए हैं, उन्हें लैपटॉप खरीदने के लिए सरकार आर्थिक मदद देगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में जल्द राशि ट्रांसफर की जाए। समीक्षा बैठक में सिर्फ लैपटॉप योजना पर ही बात नहीं हुई। विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी देने की योजना पर भी काम चल रहा है।

पहले 85% अंक थे जरूरी

मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए मदद देने की यह योजना काफी पुरानी है। इसकी शुरुआत साल 2009-10 में हुई थी। उस समय पात्रता के लिए 85% अंक जरूरी थे। बाद में सरकार ने यह पात्रता सीमा घटा दी। अंकों की सीमा 85% से घटाकर 75% कर दी गई। इस बदलाव के बाद ज्यादा विद्यार्थी योजना का लाभ ले पाने लगे। अब 75% या इससे ज्यादा अंक लाने वाले सभी विद्यार्थी पात्र माने जाते हैं।

एक बार फिर लौटेगा पुराने आरटीओ भवन का वैभव

■ तकरीबन 150 करोड़ के प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

■ अहिल्या उद्यान घाट बनेगा और चंपा बावड़ी शिव मंदिर भी संवरेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● किसी समय आरटीओ की पहचान रखने वाला ऐतिहासिक भवन का वैभव एक बार फिर से लौटने लगा है और आने वाले समय में पूरी तरह से नया हो जाएगा। यहां ना केवल अहिल्या उद्यान घाट बनेगा बल्कि चंपा बावड़ी व शिव मंदिर को भी संवारने का काम होने जा रहा है और पुराना वैभव फिर पर्यटकों को देखने को यहां मिलने जा रहा है।

पुरातत्व विभाग और सरकार मिलकर मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के माध्यम से ऐतिहासिक लालबाग पैलेस को संवारने का काम तो कर रहे हैं लेकिन इसी के समीप लगभग 3.5 एकड़ परिसर में पुराने पारंपरिक स्मारक और म्यूजियम बनाने का काम चल रहा है जिसके लिए पहले उक्त पुराने आरटीओ भवन यानी रामपुर कोठी को तैयार किया जा रहा है। यहां पर देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर कई मार्मिक चित्रण भी सजाए जाएंगे, जिसको लेकर इतिहासकारों द्वारा काम किया जा रहा है। होलकर-कालीन शैली का आकर्षक प्रवेश द्वार के साथ-साथ सैकड़ों पुराने पेड़ों को भी संरक्षित करने की योजना बना ली गई है। यहां अलग-अलग स्मारक के दो हिस्सों में लगभग 36 के आस-पास गैलरीयां होंगी और उस दौर में सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, मराठा और मुगल शासन के साथ महिलाओं की स्थिति भी चित्रण के रूप में दिखाई जाएगी। देवी अहिल्या माता को गाँव की एक बालिका से लेकर लोक माता बनने तक की यात्रा भी दिखाई जाएगी जिसके लिए काम चल रहा है परंतु अभी समय लग रहा है और बिल्डिंग का काम फिलहाल किए जाने से आकर्षक दिखने लगी है। एक तरह से देखा जाए तो पुराने आरटीओ भवन को नया जैसा किया जा रहा है जहां पर देवी अहिल्या स्मारक होगा।

चीनी, दूध और एलपीजी के दाम बढ़ने से चौराहे की चाय हुई महंगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/भोपाल ● चीनी और चाय बनाने में लगने वाली दूसरी चीज़ों की कीमतों में तेज़ी से बढ़ोतरी के कारण भोपाल और इंदौर में सड़क किनारे चाय बेचने वालों को दाम बढ़ाने पड़े हैं। इससे ग्राहकों पर बोझ बढ़ा है और चाय बेचने वालों का पहले से ही कम मुनाफ़ा और दबाव में आ गया है।

भोपाल में चाय बेचने वालों ने बताया कि हाल के हफ़्तों में चीनी की कीमतें लगभग 45-50 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 70-75 रुपये हो गई हैं। अरेरा कॉलोनी के 'इलेवन नंबर' बस स्टॉप पर चाय का स्टॉल चलाने वाले ने एक कप चाय की कीमत 15 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दी है। उन्होंने कहा, 'हमने कम कीमत पर खरीदा हुआ पुराना स्टॉक बेचने की कोशिश की, लेकिन नया स्टॉक आने के बाद हमारे पास कोई और रास्ता नहीं बचा। 'रंगमहल टॉकीज़ के पास, वेंडर श्याम सेन ने भी चीनी की बढ़ती कीमतों का हवाला देते हुए दाम बढ़ा दिए।

अदरक वाली चाय की बिक्री तो अच्छी हो रही है, लेकिन ग्राहकों को बनाए रखने के लिए वेंडर चीनी की मात्रा कम कर रहे हैं या चाय की सर्विंग का साइज़ थोड़ा घटा रहे हैं। छात्र, हॉस्टल में रहने वाले लोग और दिहाड़ी मज़दूर इस महंगाई की मार झेल रहे हैं। छात्र वासु शर्मा ने कहा कि ग्राहक अभी तो काम चला रहे हैं, लेकिन उन्हें डर है कि अगर कीमतें और बढ़ीं, तो वे चाय नहीं खरीद पाएंगे। इकोनॉमिक्स के प्रोफ़ेसर एच.एस. यादव ने कहा कि चाय बेचने वाले छोटे वेंडर बहुत कम मुनाफ़े पर काम करते हैं और लागत में अचानक हुई बढ़ोतरी को झेलने की उनकी क्षमता बहुत कम होती है, इसलिए कीमतें लगभग तुरंत बढ़ जाती हैं। इंदौर में दुकानदारों ने बताया कि चीनी की कीमतें 20-25 रुपये प्रति किलो बढ़कर लगभग 70 रुपये हो गई हैं, जबकि 50 किलो के बोरे की कीमत लगभग 2,200 रुपये से बढ़कर 3,650 रुपये हो गई है। दूध और कमर्शियल एलपीजी की बढ़ती कीमतों ने भी बोझ बढ़ा दिया है। 19 किलो का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लगभग 2,850 रुपये में बिक रहा है, जबकि अप्रैल में दूध की कीमतें 65 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई थीं। स्टॉल के मालिक केसर मामा ने कहा, '7 रुपये में 'कटिंग चाय' बेचना अब फायदेमंद नहीं रहा।' दुकानदारों ने मज़दूरी, किराए और ईंधन की बढ़ती लागत का भी ज़िक्र किया। हालांकि महंगे कैफ़े ने अभी तक कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, लेकिन वे भी चेतावनी दे रहे हैं कि लागत में लगातार बढ़ोतरी से आखिरकार उन्हें कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2026 अंतिम सप्ताह में प्रवेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया (टीएसएफआई) डिवाइन सॉलिटेयर्स का प्रमुख एनुअल कस्टमर कैंपेन —1 अगस्त 2026 को देशभर में अपने विस्तृत पार्टनर ज्वेलर्स नेटवर्क के माध्यम से शुरू हुआ था और अब अंतिम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। फेस्टिवल के समापन के करीब पहुंचने के साथ, डिवाइन सॉलिटेयर्स ने खास फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है, जिससे ग्राहकों को इस त्योहारी सीजन में विशेष लाभ और आकर्षक रिवॉर्ड्स का आनंद उठाने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। टीएसएफआई 2026 के तहत डिवाइन सॉलिटेयर्स ने ग्राहकों के लिए नए और आकर्षक ऑफर्स पेश किए हैं, जो इस त्योहारी सीजन में खरीदारी को और खास बनाएंगे। 27 और 28 अगस्त को खरीदारी करने वाले ग्राहकों को उनके सुनिश्चित उपहारों में विशेष अपग्रेड मिलेगा।

जावा येज़दी मोटरसाइकल्स ने अमेज़न.इन और फ्लिपकार्ट पर रोडस्टर रेड वुल्फ के साथ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जावा येज़दी मोटरसाइकल्स ने अमेज़न.इन और फ्लिपकार्ट पर येज़दी रोडस्टर रेड वुल्फ को लॉन्च किया, जिससे भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए उनकी यह नवीनतम रोडस्टर अधिक व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकेगी। यह कदम ब्रांड के डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिससे ग्राहक अपने अधिकृत डीलरशिप नेटवर्क के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से आसानी से बाइक को खोज सकते हैं और ओनरशिप की शुरुआत कर सकते हैं।

भारत में एयरबीएनबी पर जेन जी होस्टिंग में करीब 40प्रतिशत की बढ़ोतरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जेनजी युवा सिर्फ अलग अंदाज में यात्रा ही नहीं कर रहे, बल्कि एयरबीएनबी पर होस्ट बनकर अपने घरों के दरवाजे भी दुनिया के लिए खोल रहे हैं। एयरबीएनबी के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि 2026 की पहली छमाही में भारत में जेन जी होस्ट्स की संख्या सालाना आधार पर करीब 40 प्रतिशत बढ़ी है। इस दौरान एयरबीएनबी से जुड़ने वाले नए भारतीय होस्ट्स में लगभग पांच में से दो की उम्र 18 से 29 वर्ष के बीच रही। यह इस बात संकेत है कि भारत में युवाओं का एक नया वर्ग तेजी से होस्टिंग की ओर कदम बढ़ा रहा है।

गुडविल एंटरटेनमेंट्स ने जारी किया 'ऑपरेशन त्राल' का टीजर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रथीश वेगा के निर्देशन में बनी इस पहली फिल्म का पहला टीजर कश्मीर के त्राल में हुए एक घातक काफिले पर हमले और उसकी जांच पर आधारित है; टीजर को मलयालम, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज किया गया।

फैशन शो से वेबसीरीज तक सृजन की पहचान बना रहे पार्थ जैन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फैशन शो हो या कल्चरल प्रोग्राम, ग्लैमर इवेंट हो या वेबसीरीज के लिए खास कॉस्ट्यूम की जरूरत, ग्राहकों की कल्पना को समझकर उसे समय पर परिधान का रूप देना अब फैशन कारोबार की बड़ी जरूरत बन गया है। इसी दिशा में पुश्तैनी गारमेंट्स सृजन के कारोबार को नई सोच के साथ आगे बढ़ाते हुए पार्थ जैन ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

बदलते फैशन ट्रेंड, आयोजन की थीम और ग्राहक की विशेष फरमाइश के अनुसार डिजाइन तैयार करना पार्थ जैन के काम की खासियत है। समयबद्ध डिलीवरी के कारण फैशन और इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े अनेक खरीदार उनके साथ लगातार जुड़े हुए हैं।

'ग्राहक उत्पाद नहीं, भरोसा खरीदता है'-पार्थ जैन के अनुसार, 'हमारे लिए ग्राहक की फरमाइश सबसे महत्वपूर्ण

है। ग्राहक को कल्पना, आयोजन की थीम और उसकी जरूरत को समझकर उसे परिधान में बदलना हमारा काम है। ग्राहक केवल उत्पाद नहीं खरीदता, वह भरोसा खरीदता है। समय पर काम पूरा होने और अपेक्षा के अनुरूप डिजाइन मिलने से संबंध लंबे समय तक बने रहते हैं।'

पुश्तैनी कारोबार में जोड़ी नई सोच-पार्थ जैन का कहना है कि पुश्तैनी कारोबार अनुभव और परंपरा देता है, लेकिन नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि उसमें नई सोच और सृजनशीलता जोड़ी जाए। इसी सोच के साथ उन्होंने पारंपरिक गारमेंट कारोबार को फैशन, कॉस्ट्यूम और इवेंट इंडस्ट्री से जोड़ा है।

फैशन शो से लेकर वेबसीरीज और ग्लैमर इवेंट्स तक तैयार किए जा रहे परिधान अब उनके सृजन की पहचान बन रहे हैं। समयबद्ध काम, खास फरमाइश और नए प्रयोगों के साथ पार्थ जैन ने गारमेंट कारोबार को केवल बिक्री से आगे सृजन का माध्यम बनाया है।

8 वेबसीरीज के लिए तैयार हो रहे कॉस्ट्यूम

पार्थ जैन बताते हैं कि उनका काम अब पारंपरिक गारमेंट कारोबार तक सीमित नहीं रहा है। वर्तमान में करीब 8 वेबसीरीज के लिए कॉस्ट्यूम तैयार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही फैशन शो, कल्चरल प्रोग्राम और विभिन्न ग्लैमर इवेंट्स के लिए भी विशेष परिधान तैयार किए जा रहे हैं। वे कहते हैं कि इवेंट इंडस्ट्री में समय की सबसे बड़ी भूमिका है। शो की तारीख तय होने के बाद कॉस्ट्यूम में देरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। इसलिए डिजाइन की विशिष्टता के साथ समय पर काम पूरा करना उनकी प्राथमिकता है।

25 सितंबर को लॉन्च होगा दीपावली फैशन कैलेंडर

बदलते फैशन ट्रेंड के बीच आगामी दीपावली को लेकर भी नई तैयारी की जा रही है। पार्थ जैन ने बताया कि दीपावली का नया फैशन कैलेंडर 25 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। इसमें नए डिजाइन, नए प्रयोग और मौजूदा फैशन ट्रेंड की झलक देखने को मिलेगी। उनका प्रयास ग्राहकों को बाजार के सामान्य विकल्पों से अलग कुछ नया और विशिष्ट उपलब्ध कराना है।

देपालपुर में महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

शक्कर बाटकर दर्ज कराया विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● शक्कर पेट्रोल-डीजल एवं E20, बिजली बिल, गैस सिलेंडर सहित बढ़ती महंगाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देपालपुर द्वारा चमन चौराहा पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमे कांग्रेस ने सरकार को जगाने के लिए प्रदर्शन कर सरकार से महंगाई कम करके, जनता को राहत देने की मांग की इस अवसर पर आम जनता को शक्कर बाट कर विरोध दर्ज करवाया, इतना ही नहीं कांग्रेसियों ने महंगाई के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया पूर्व अध्यक्ष संतोष ठाकुर ने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है। गैस, पेट्रोल, शक्कर, मिठाइयों के भाव आसमान पर है। आम जनता और एक गरीब परिवार कैसे अपना जीवन यापन करेंगे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया ने कहा कि महंगाई बढ़ने से आम जनता की जेब ढीली हो गई गैस, पेट्रोल, किराना सामान ने आम आदमी की कमर तोड़ कर रख दी। केंद्र सरकार का महंगाई पर कोई कंट्रोल नहीं है कांग्रेस शासन में गैस, पेट्रोल के दाम थोड़े-थोड़े बढ़ते थे लेकिन भाजपा के शासन काल में खाने पीने की सामग्री पर जमकर सरकार ने भाव बढ़ाए हैं। आम जनता त्रस्त हो चुकी है आने वाले चुनाव में भाजपा को इसका भुगतान करना पड़ेगा इस दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष मजीद खान, पार्षद जितेंद्र गुड्डू ठाकुर, मिथिलेश जोशी, महेंद्र मकवाना, रामचरण दयाल, आजम खान के साथ कहीं कांग्रेसी मौजूद थे।

इंदौर के दल ने दी साइबर फ्रॉड से बचने हेतु प्रस्तुति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय रिजर्व बैंक ने रायपुर में वित्तीय साक्षरता सलाहकारों की कार्य क्षमता वृद्धि के उद्देश्य से महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक कार्यशाला रखी। इसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्यरत मनी वाइस वित्तीय साक्षरता केंद्रों के सलाहकारों एवं संबंधित स्टाफ ने सहभागिता की। इस आयोजन में प्रियसखी महिला संघ, इंदौर की ओर से आर.के. जैन, रूपसिंह एवं मनोज लाड़ ने सक्रिय सहभागिता कर वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'डिजिटल अरेस्ट' विषय पर नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने खूब सराहा। कार्यशाला में भारतीय रिजर्व बैंक की महाप्रबंधक नम्रता शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने वित्तीय सलाहकारों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वित्तीय समावेशन की पूर्ण सफलता वित्तीय साक्षरता पर निर्भर है। उन्होंने स्थानीय भाषा एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वित्तीय जागरूकता पहुंचाने में वित्तीय सलाहकारों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

बस्तियों में लगेगा पहरा और होंगी धर्म चौपालें !

मप्र में अपनी जमीनी गतिविधियों को विस्तार देने की तैयारी में जुटा विहिप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मध्यप्रदेश में अपनी जमीनी गतिविधियों को विस्तार देने की तैयारी की है। संगठन अब बस्तियों और मोहल्लों के स्तर पर निगरानी एवं जागरूकता तंत्र मजबूत करने की योजना बना रहा है। प्रस्तावित मॉडल के तहत करीब हर 10 घर पर एक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देने की बात कही गई है। विहिप के मुताबिक इन कार्यकर्ताओं का उद्देश्य अपने क्षेत्र के परिवारों से संपर्क बनाए रखना, उन्हें संगठन की गतिविधियों से जोडना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या दबाव की जानकारी संगठन एवं पुलिस तक पहुंचाना होगा। संगठन का कहना है कि इसके साथ ही सनातन धर्म से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। विहिप का फोकस आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े इलाकों पर अधिक रहेगा। संगठन का मानना है कि ऐसे क्षेत्रों में जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर बाहरी तत्व सक्रिय हो सकते हैं। इसके तहत कार्यकर्ताओं को परिवारों से संवाद करने और किसी संदिग्ध व्यक्ति प्रलोभन या दबाव से जुड़े मामले की जानकारी तत्काल संगठन और पुलिस को देने के लिए कहा जाएगा। संगठन की योजना केवल निगरानी तक सीमित नहीं है। बस्तियों में सनातन जागरूकता शिविर, हनुमान चालीसा पाठ और धर्म चौपाल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नगर में बटी मिठाइयां विधायक का माना आभार

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में देपालपुर-इंदौर सड़क मार्ग को फोरलेन बनाने की ऐतिहासिक स्वीकृति प्रदान की गई। इस निर्णय से क्षेत्र के आवागमन, व्यापार और विकास को नई दिशा मिलेगी। स्वीकृति के उपलक्ष्य में गुरुवार शाम चमन चौराहा, देपालपुर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी एवं मिठाई वितरण कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधायक मनोज पटेल का आभार व्यक्त किया। जानकारी में आपको बता दें लंबे समय से देपालपुर की आम जनता इस सड़क को फोरलेन बनाने की मांग कर रहे थे जिसको लेकर विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया था कि हमें इंदौर देपालपुर रोड फोरलेन चाहिए जिस पर मुख्यमंत्री ने गौतमपुरा में घोषणा कर आम जनता से फोरलेन सड़क देने का वादा किया था जिसकी मंजूरी 25 अगस्त को कैबिनेट मीटिंग में दी गई। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी, उपाध्यक्ष गोपाल कटेसिया, मुकेश जैन, सांसद प्रतिनिधि अजय आहूजा, विधायक प्रतिनिधि ईश्वरी शर्मा ,पार्षद विमल यादव, पूर्व उपाध्यक्ष दीनदयाल चौबे, दिलीप यादव, पवन गोस्वामी, जितेंद्र वैष्णव, सतीश मारू, सुनील ठाकुर, घनश्याम मालवीय, मीडिया प्रभारी भारत तंवर, भारत यादव, बबलू गहलोत, सादिक मंसूरी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।स्थानीय नागरिकों ने इस निर्णय को क्षेत्र के लिए 'विकास की नई उड़ान' बताते हुए हर्ष व्यक्त किया।

इंदौर रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस का हल्लाबोल

चूहों-खटमलों के आतंक और बदइंतजामी के खिलाफ घेराव कर सौंपा ज्ञापन, इस दौरान रेलवे अधिकारियों से व्यवस्था को लेकर तीखी नोकझोंक हुई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शैलू सेन, नीतिश भारद्वाज एवं लवेश यादव के नेतृत्व में आज इंदौर रेलवे प्रशासन की गंभीर लापरवाहियों के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन का घेराव कर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक एवं निदेशक के नाम इंदौर रेलवे क्षेत्रीय अधिकारी हरिराम मीणा एवं स्टेशन अधीक्षक रवि बदवर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान रेलवे अधिकारियों से व्यवस्था को लेकर तीखी नोकझोंक भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर

नारेबाजी करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं के नाम पर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन ट्रेनों के एसी कोचों में चूहों, कॉकरोच और खटमलों का आतंक उन दावों की पोल खोल रहा है। यात्रियों को गंदे और बदबूदार बेडशीट-कंबल मिलना तथा सफाई व्यवस्था की बदहाली गंभीर चिंता का विषय है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एसी कोच में सो रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग यात्री को चूहे द्वारा नाक पर काटे जाने जैसी घटना रेलवे की लचर व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। यदि एसी कोच में यात्रा करने वाला बुजुर्ग यात्री भी सुरक्षित नहीं है, तो रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा के अपने दावों का क्या जवाब देगा? ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि रतलाम मंडल में साफ-सफाई और पेस्ट कंट्रोल पर प्रतिदिन करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे के बावजूद यात्रियों को चूहों और कीटों से जूझना पड़ रहा है।

पूज्य सुधासागर जी के सानिध्य में गूंजा रक्षा-वंदन का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रक्षाबंधन के पावन अवसर पर दलाल बाग, छत्रपति नगर में मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस के रूप में भव्य रक्षाबंधन विधान संपन्न हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि पूरा पंडाल * 'रक्षा-वंदन करो, श्रमण संस्कृति रक्षक जयवंत हो ' * के जयघोषों से पूरा पंडाल गूंज उठा। गुरुदेव ने अपनी देशना में सुनाया 700 मुनिराजों के उपसर्ग का प्रसंग धर्मसभा में गुरुदेव ने आचार्य अकंपनाचार्य सहित 700 मुनिराजों पर आए भयंकर उपसर्ग का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का नहीं, बल्कि धर्म और साधु-संतों की रक्षा का पर्व है। गुरु देव ने हजारों की संख्या में पधारे समाज जन को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में इगो पाइंट और प्रेस्टिज पाइंट नहीं बनाना चाहिए।

कलेक्टर ने बच्चियों के साथ मनाया रक्षाबंधन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के राजकीय बाल संरक्षण आश्रम, छावनी में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बच्चियों के बीच पहुंचकर आत्मीयता के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया। उन्होंने बच्चियों के साथ बैठकर राखी बंधवाई और उनके साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान बच्चियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बना। कलेक्टर श्री वर्मा ने बच्चियों को स्नेह और अपनत्व का भाव देते हुए रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं एवं उपहार भी भेंट किये।

डीएवीवी कैंपस और हॉस्टलों में स्टूडेंट्स की अगुवाई वाला एंटी-रैगिंग स्क्वाड बनाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्टूडेंट्स का नया बैच कैंपस में आने वाला है, ऐसे में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) अपने एंटी-रैगिंग सिस्टम को और मज़बूत करने के लिए स्टूडेंट्स की अगुवाई वाला पहला एंटी-रैगिंग स्क्वाड बना रहा है। इस पहल के तहत, अलग-अलग विभागों, कैंपस और हॉस्टलों में होने वाली गतिविधियों पर नज़र रखने की ज़िम्मेदारी खुद स्टूडेंट्स के हाथों में होगी।

आम तौर पर होने वाली निगरानी के अलावा, इस प्रस्तावित स्क्वाड में अलग-अलग यूनिवर्सिटी विभागों के छात्र शामिल होंगे जो नियमित रूप से अपने विभाग के बाहर के छात्रों से मिलते-जुलते हैं। वे सीनियर और जूनियर छात्रों के बीच होने वाली बातचीत पर नज़र रखेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या रैगिंग से

जुड़ी शिकायत की जानकारी फैकल्टी सदस्यों और यूनिवर्सिटी अधिकारियों को देंगे। यूनिवर्सिटी ने इस प्रक्रिया की देखरेख के लिए पांच सदस्यों वाली एंटी-रैगिंग कमेटी बनाई है। इसमें स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट एल के त्रिपाठी, रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे, डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के सदस्य सचिन शर्मा, इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल प्रोफेशनल स्टडीज़ की गीता नेमा और डिपार्टमेंट हेड सखाराम मुजाल्दे शामिल हैं। यूनिवर्सिटी की योजना है कि निगरानी का दायरा एकेडमिक विभागों से आगे भी बढ़ाया जाए। स्टूडेंट्स तक्षशिला और द्रुश्वज्र कैंपस के साथ-साथ हॉस्टल्स पर भी नज़र रखेंगे। इसका मकसद है कि किसी भी घटना के बढ़ने से पहले ही चेतावनी के संकेतों को पहचान लिया जाए और अधिकारियों को दखल देने का मौका मिल सके। पिछले साल इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) में रैगिंग से जुड़ी घटनाओं के बाद यह कदम अहम हो गया है, क्योंकि इन घटनाओं ने यूनिवर्सिटी के बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा था।

लोटस स्कूल के छात्रों ने उप-जेल में मनाया अनोखा रक्षाबंधन

स्कूली छात्रा ने रक्षाबंधन पर एकता और भाईचारे का संदेश दिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर लोटस इंटरनेशनल स्कूल, देपालपुर की छात्राओं द्वारा विशेष राखी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने हाथों से सुंदर राखियाँ तैयार कीं।

इसी क्रम में आज विद्यालय की छात्राएँ उप-जेल, देपालपुर पहुँचीं। इस अवसर पर जेलर सुधीर सिंगरोली एवं उनके स्टाफ का विद्यालय परिवार द्वारा आभार व्यक्त किया गया। छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई गई राखियाँ जेलर सुधीर सिंगरोली एवं जेल स्टाफ को बाँधकर प्रेम, सम्मान, भाईचारे और सुरक्षा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में लोटस इंटरनेशनल स्कूल, देपालपुर के स्कूल संचालक जयदीप सिंह राजावत भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा स्वयं बनाई गई राखियों को उप-जेल में जाकर बाँधना उनके लिए एक अनूठा और यादगार अनुभव रहा। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जेलर सुधीर सिंगरोली ने विद्यालय की इस पहल की सराहना की और छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने कार्यक्रम में सहयोग एवं अनुमति प्रदान करने के लिए जेलर सुधीर जी सिंगरोली एवं समस्त जेल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

लोटस इंटरनेशनल स्कूल, देपालपुर द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 29 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

वैदिक मंत्रों से गूंजा श्री राम मंदिर, साधकों ने धारण किया नया यज्ञोपवीत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर पंचकुइयां स्थित श्री राम मंदिर में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन वैदिक परंपराओं के अनुसार किया गया। पंचकुइयां पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज के सान्निध्य में बड़ी संख्या में बटुक ब्राह्मणों और साधकों ने सहभागिता की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच साधकों ने विधि-विधान से नया यज्ञोपवीत धारण किया। अनुष्ठान की शुरुआत दशविधि स्नान से हुई। इसके बाद विद्वान पंडितों ने साधकों को पवित्रीकरण, आचमन, प्राणायाम और स्वस्ति वाचन सहित विभिन्न वैदिक क्रियाएं संपन्न कराईं। श्रावणी उपाकर्म के अंतर्गत तर्पण और सप्त ऋषि पूजन भी विधि-विधान से कराया गया।

श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में महिलाओं ने मिट्टी से बनाए शिवलिंग, किया अभिषेक और पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कालानी नगर स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर हुजूरगंज में श्रावण मास से चल रहे शिव आराधना अनुष्ठान की श्रावण पूर्णिमा पर पूर्णाहुति हुई। एक महीने तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में महिलाओं ने मिट्टी से 7 लाख से ज्यादा पार्थिव शिवलिंग बनाए। इनका विधि-विधान से पूजन कर रुद्राभिषेक किया गया। पूर्णाहुति के अवसर पर मंदिर परिसर वेद मंत्रों और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। भक्त मंडल के पं. सुमित अवस्थी ने बताया कि महीनेभर महिलाओं ने नियमित रूप से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव की आराधना की। पूर्णिमा पर सुबह आचार्य पं. शैलेन्द्र तिवारी के आचार्यत्व में विद्वान पंडितों ने वेद मंत्रों के बीच पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक और पूजन कराया। इसके बाद भगवान महादेव की महाआरती की गई। महादेव का विशेष श्रृंगार भी किया गया।

कांटाफोड़ महादेव मंदिर पर भस्म आरती में शामिल हुए विजयवर्गीय एवं सैकड़ों भक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर पर चल रहे श्रावणी अनुष्ठान के तहत श्रावणी पूर्णिमा पर शुक्रवार सुबह ब्रह्म मुहूर्त में भस्म आरती का आयोजन नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में सौल्लास संपन्न हुआ। सैकड़ों शिवभक्तों ने हर-हर महादेव के जयघोष के बीच स्मशान घाट से लाई गई भस्म से लगभग 3 घंटे तक चली इस पूजा एवं अन्य अनुष्ठानों में भाग लिया। मंदिर ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग, संयोजक बी.के. गोयल ने बताया कि राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने भी मंदिर पहुंचकर सुबह पूजा-अर्चना की। मंत्री द्वय ने इस दौरान समूचे मालवांचल में सुखद वर्षा की कामना की। भक्त मंडल की ओर से संदीप गोयल, सुशील प्रजापति, हेमंत अग्रवाल, परमानंद वालेचा, वरुण मंगल सहित सैकड़ों भक्तों ने महाआरती में भाग लिया।

सुरंग के रास्ते सीधे पहुंचेंगे महाकाल लोक, ट्रैफिक जाम से मुक्ति

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन आने का अनुमान है। इससे पहले ही उज्जैन में बढ़ती भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती बन चुकी है। हाल ही में सावन सोमवार पर रिकॉर्ड साढ़े सात लाख श्रद्धालु पहुंचे तो इंदौर-उज्जैन हाईवे से लेकर हरिफाटक तक यातायात व्यवस्था चरमरा गई। कई जगह घंटों जाम की स्थिति बनी रही। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब हरिफाटक पार्किंग से महाकाल लोक तक जमीन के नीचे नया रास्ता तैयार किया जा रहा है। करीब 650 मीटर लंबा अंडरपास 91.74 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति वाले प्रोजेक्ट का हिस्सा है। योजना पूरी होने के बाद श्रद्धालु हरिफाटक क्षेत्र में वाहन पार्क कर सीधे अंडरपास के जरिए महाकाल लोक पहुंच सकेंगे। प्रोजेक्ट को 15 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल करीब 15 प्रतिशत काम हो चुका है।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के कारण उज्जैन देश के प्रमुख धार्मिक शहरों में शामिल है। यहां सालभर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या पहुंचती है, जबकि सावन, महाशिवरात्रि, त्योहारी सीजन और सिंहस्थ जैसे अवसरों पर यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है। इंदौर-उज्जैन रोड, आगर रोड और गऊघाट यानी पुराने उज्जैन-बड़नगर मार्ग से आने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिफाटक ब्रिज की ओर से महाकाल क्षेत्र पहुंचते हैं। ऐसे में हरिफाटक ब्रिज एक तरह से बॉटलनेक बन जाता है। भीड़ बढ़ने पर पुलिस को बड़े वाहनों को दूर ही रोकना पड़ता है और श्रद्धालुओं को भी लंबे समय तक ट्रैफिक में फंसना पड़ता है। नई टनल बनने के बाद हरिफाटक ब्रिज पर

निर्भरता कम करने की योजना है।

श्रद्धालु हरिफाटक के पास बनी पार्किंग में वाहन खड़ा करेंगे और वहां से जमीन के नीचे बने रास्ते से सीधे महाकाल लोक पहुंच सकेंगे। दर्शन के बाद इसी कॉरिडोर के जरिए वापस पार्किंग तक पहुंचने की व्यवस्था रहेगी। यह सामान्य अंडरपास नहीं, बल्कि करीब 650 मीटर लंबा भूमिगत कॉरिडोर होगा। इसका लगभग 450 मीटर हिस्सा जमीन से करीब 10 मीटर नीचे बनाया जाएगा। इसमें दो अलग-अलग बॉक्स होंगे और प्रत्येक की चौड़ाई करीब 9 मीटर होगी। श्रद्धालुओं का आवागमन दो दिशाओं में अलग-अलग रहेगा, जिससे क्राउड मैनेजमेंट आसान होगा। दोनों बॉक्स इतने चौड़े होंगे कि जरूरत पड़ने पर बड़े वाहन भी यहां से गुजर सकें। हालांकि इसका मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाना और हरिफाटक क्षेत्र के ट्रैफिक दबाव को कम करना है। भूमिगत रास्तों में सबसे बड़ी चुनौती बारिश के दौरान पानी भरने की होती है। इस प्रोजेक्ट में इसके लिए अलग ड्रेनेज सिस्टम तैयार किया जा रहा है। टनल के दोनों बॉक्स में अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन होगी, जिससे पानी एक अलग संपवेल तक पहुंचेगा। इसके अलावा टनल के कुछ हिस्से को ऊपर से खुला रखा जाएगा, ताकि प्राकृतिक हवा और रोशनी का आवागमन बना रहे। आपात स्थिति के लिए अलार्म और इमरजेंसी सिस्टम भी प्रस्तावित है। हर 100 मीटर पर ऐसी व्यवस्था रहेगी, जिससे जरूरत पड़ने पर श्रद्धालु पुलिस, एंबुलेंस या अन्य आपात सेवाओं तक सूचना पहुंचा सकें। प्रोजेक्ट की कार्यावधि 15 महीने तय की गई है। अनुबंध के अनुसार इसे अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। हरिफाटक पार्किंग क्षेत्र से निर्माण शुरू हो चुका है और शुरुआती चरण में जमीन के स्तर से करीब 8 से 10 मीटर नीचे स्लोप तैयार किया जा रहा है। फिलहाल करीब 15 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। आगे निर्माण कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि टनल का बड़ा हिस्सा भूमिगत बनेगा। प्रोजेक्ट के दायरे में एक थाना, स्कूल और कुछ अन्य भवन भी आ रहे हैं। इनके हटाने, उपयोगिताओं को शिफ्ट करने और जमीन से जुड़े काम भी निर्माण की गति को प्रभावित कर सकते हैं।

टनल का सबसे जटिल हिस्सा रेलवे लाइन के नीचे से गुजरेगा। रेलवे ट्रैक के नीचे प्रस्तावित अंडरपास का निर्माण रेलवे स्वयं करेगा। इसके लिए राज्य शासन की ओर से रेलवे को 31 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

प्रोजेक्ट को शासन ने 28 अक्टूबर 2025 को 91.74 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी थी। टनल निर्माण की अनुबंधित लागत 35.37 करोड़ रुपए है।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, अमानक डिस्पोजल ग्लास जब्त कर नष्ट किए

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● शहर में प्रतिबंधित और अमानक डिस्पोजल के खिलाफ नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। वार्ड क्रमांक 42 स्थित एक गोदाम से करीब 2 लाख रुपए कीमत के अमानक डिस्पोजल ग्लास जब्त किए गए। जांच में सामग्री प्रतिबंधित और अमानक पाए जाने के बाद निगम की टीम ने इन्हें जब्त कर विधिवत नष्ट कर दिया। वहीं गोदाम संचालक के खिलाफ 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम की टीम ने कुछ दिन पहले ही संबंधित गोदाम को सील किया था। गुरुवार को गोदाम संचालक की मौजूदगी में सील खोली गई। अंदर जांच करने पर बड़ी मात्रा में डिस्पोजल ग्लास रखे मिले। जांच के दौरान इन ग्लासों को अमानक और प्रतिबंधित पाए जाने के बाद निगम अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जब्त की गई सामग्री को नगर निगम परिसर लाया गया, जहां उसे नियमानुसार नष्ट कर दिया गया। स्वच्छता अधिकारी रवि गोयनार ने बताया कि गोदाम से प्रतिबंधित और अमानक डिस्पोजल ग्लास मिलने पर संचालक के खिलाफ 1 लाख रुपए की चालानी कार्रवाई की गई है। जब्त की गई सामग्री को भी नियमानुसार नष्ट कर दिया गया है।

बायपास पर बकरा बाजार के चलते लगा जाम, ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बकरों और मालिकों को हटाया

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● बायपास के पास गुरुवार को लगने वाले बकरा बाजार के कारण यातायात प्रभावित हो गया। बाजार स्थल पर पानी और कीचड़ जमा होने से बकरा मालिक सड़क किनारे खड़े हो गए। इससे सड़क पर भीड़ बढ़ गई और जाम की स्थिति बन गई। यातायात प्रभावित होने की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सड़क पर खड़े बकरों और उनके मालिकों को हटाया। उन्हें बाजार के तय स्थान के अंदर जाने के निर्देश दिए गए। सड़क पर खड़े वाहनों को भी हटवाया गया। इस दौरान करीब 2 घंटे वाहन फंसे रहे पुलिस की कार्रवाई के बाद बायपास मार्ग पर यातायात सामान्य हो गया। यह बाजार हर गुरुवार को लगता है। इसमें देवास और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग बकरों की खरीद-बिक्री के लिए पहुंचते हैं। ट्रैफिक थाना प्रभारी पवन बागड़ी ने बताया कि बकरा हाट बाजार नियमानुसार लगता है। पानी जमा होने के कारण लोग सड़क पर आ गए थे।

राणीसती दादी की पालकी और रथ का 200 से अधिक परिवारों द्वारा भादवी अमावस्या पर किया जाएगा पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रोहा कपल ग्रुप एवं जय दादी दरबार की मेजबानी में भादवी अमावस्या के उपलक्ष्य में गुरुवार, 10 सितम्बर को सुबह 7 बजे से स्नेह नगर स्थित हनुमान मंदिर, वृंदावन गार्डन से अग्रवाल नगर स्थित राणी सती दादी के मंदिर तक निकलने वाली भव्य प्रभातफेरी की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु शहर के 45 प्रमुख महिला संगठनों की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रभातफेरी का शहर के 200 से अधिक परिवारों में घर-घर स्वागत और पूजन की तैयारियां की जा रही हैं। पिछले 13 वर्षों से चली आ रही प्रभातफेरी की इस परंपरा में स्नेह नगर, पटेल नगर, मनीष बाग, भगवानदीन नगर एवं अग्रवाल नगर सहित पूरे शहर की महिलाएं राजस्थानी चुनरी और पुरुष श्वेत वस्त्र पहनकर शामिल होंगे। प्रभातफेरी में दादी राणीसती को एक सुश्रृंगारित रथ पर विराजित किया जाएगा। बैंड-बाजों और भक्ति-संगीत की मनोहारी सुर-लहरियों के बीच नाचते-गाते श्रद्धालुओं का जगह-जगह स्वागत होगा। टैगोर मार्ग स्थित होटल अप्सरा पर आयोजित बैठक में महिलाओं ने भादवी अमावस्या पर अपनी आराध्य दादी के इस उत्सव को धूमधाम से मनाने, प्रभातफेरी का न्यौता सभी क्षेत्रों में घर-घर देने और दादी के आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूरे

जोश और उत्साह से शामिल होने का निर्णय लिया। बैठक में प्रमुख संयोजक श्रीमती संगीता-अरविंद बागड़ी, उषा-राजेश बंसल, श्रीमती निर्मला जिंदल, किरण तायल, ज्योति अग्रवाल (जूनी इंदौर), उषा-प्रहलाद दादा, पुष्पा गुप्ता, शीतल तोडीवाला, तृप्ति गोयल, कांता अग्रवाल, अनामिका अग्रवाल, आभा अग्रवाल, राधा अग्रवाल, शीतल-रवि अग्रवाल, स्वाति मंगल, चंचल-नीतेश अग्रवाल, पिंकी-रवि अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल (वरुण विक्ट्री), वन्दना मित्तल, कविता-दिलीप गर्ग, नेहा-कुलदीप अग्रवाल सहित 45 से अधिक महिला संगठनों की बहनों ने शामिल होकर अपने-अपने सुझाव दिए। संचालन नंदकिशोर कंदोई ने किया और आभार माना विनोद अग्रवाल जूनी इंदौर ने।

प्रभातफेरी 10 सितम्बर को सुबह 7 बजे स्नेह नगर वृंदावन गार्डन से प्रारंभ होकर पटेल नगर, मनीष बाग, अग्रवाल नगर होते हुए राणी सती मंदिर पर पूजा-अर्चना के साथ सम्पूर्ण होगी। इस दौरान शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सुहाग पिटारी, मेहँदी एवं अन्य उपहार भी भेंट किए जाएँगे। प्रभातफेरी मार्ग पर 200 से अधिक घरों पर प्रभातफेरी में शामिल भक्तों के स्वागत एवं रथ में विराजित दादी के पूजन की व्यवस्था की जा रही है। शहर के लगभग सभी क्षेत्रों के समाज बंधुओं को इस प्रभातफेरी का न्योता दिया जा रहा है। प्रभातफेरी की व्यवस्थाएं सँभालने हेतु महिलाओं की 5 समितियां गठित की गई है।

जेन जी की नियत पर शक नहीं कर सकते भाषा को सरल करने की जरूरत : अबरार अहमद काशिफ़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जेन जी से संवाद जरूरी है। डॉ. राहत इंदौरी मेरे रूहानी उस्ताद हैं। अब मैं कोशिश कोशिश करूंगा की एक नज़्म ऐसी लिखूं जिसमें इंसान खुदा से अपनी बात कहे। यह सब कहा मशहूर शायर अबरार अहमद काशिफ़ ने स्टेट प्रेस क्लब मध्य प्रदेश के प्रोग्राम 'रूबरू' में। शाजापुर के नातिया मुशायरा में शिरकत करने आए अबरार अहमद काशिफ़ ने एक घंटे तक पत्रकारों के हर सवाल का जवाब बेबाकी से दिया। अबरार काशिफ़ ने कहा कि अब जेन ज़ी और जेन अल्फा जागृत हो चुके हैं और आपको उनकी बात समझना होगी। हमें कई मर्तबा लगता है इनकी बातें गलत है लेकिन जब सुनते हैं तो लगता है यह सही है। उनकी नियत पर शक नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मैं शायर और लेखक हूं जो सही दिखता और लगता है वो लिखता हूं। अबरार काशिफ़ ने कहा कि हर दौर में पीढ़ी बदलाव के साथ चीज बदलती है। हम अभी बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। वर्तमान पीढ़ी कम समय में ज्यादा कंटेंट चाहती है। कविता और शायरी के संदर्भ में भी यही बात लागू है। एक प्रश्न के जवाब में

उन्होंने कहा कि भाषाओं को सरल करने की आवश्यकता है। मुश्किल शब्दों को सरल करने का जिम्मा शब्दकोश बनाने वालों पर है। उन्होंने कहा कि उर्दू को लेकर अनावश्यक बातें फैलाई जाती है जबकि उर्दू दिलों में बसने वाली भाषा है। यह महोब्बत की भाषा है। वर्तमान दौर में मुशायरा में उर्दू शायरी करने वालों में गैर मुसलमानों की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है। कोई भी भाषा हो वह हमेशा एक दूसरे को जोड़ने का ही काम करती है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर कतिपय लोग भाषा को लेकर सियासी विवाद पैदा करते रहते हैं लेकिन उसका हासिल कुछ नहीं है।

65 किमी दौड़कर उज्जैन से बदनावर पहुंचे कावड़िए नागेश्वरधाम में महाकाल के जल से किया जलाभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर● सावन माह में गुरुवार को बोल बम डाक कावड़ यात्रा संघ ने उज्जैन से बदनावर तक 65 किलोमीटर लंबी पैदल डाक कावड़ यात्रा निकाली। कावड़ियों ने पैदल दौड़ते हुए उज्जैन से बदनावर पहुंचकर नागेश्वरधाम में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने सुबह उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। इसके बाद रामघाट स्थित शिप्रा नदी से विधि-विधान से जल भरा गया। शिप्रा नदी का पवित्र जल लेकर कावड़िए बदनावर के लिए रवाना हुए।

करीब 65 किलोमीटर का यह सफर पैदल दौड़ते हुए तय किया गया। यात्रा उज्जैन से रवाना होकर विभिन्न गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरी। इस दौरान मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने कावड़ियों का स्वागत किया। हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। दोपहर में यात्रा पेटलावद रोड स्थित अति प्राचीन नागेश्वरधाम पहुंची। यहां शिप्रा नदी से लाए पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। जलाभिषेक के बाद मंदिर परिसर में आरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आरती के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इसमें यात्रा में शामिल कावड़ियों सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। यह डाक कावड़ यात्रा का पहला वर्ष था।

मांडू सफाई कर्मचारियों को 8 महीने से वेतन नहीं, कांग्रेस ने रक्षाबंधन पर दिया समर्थन

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू ● नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों को 8 महीने से वेतन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। शुक्रवार को रक्षाबंधन के दिन महिला सफाई कर्मचारियों ने अशर्फी महल प्रांगण में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा की वेतन न मिलने के कारण वे त्योहार पर अपने भाइयों के घर भी नहीं जा सकीं। कर्मचारियों ने रुका हुआ वेतन जल्द जारी करने की मांग की। कांग्रेस ने आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर नगर परिषद के इन कर्मचारियों का रुका हुआ वेतन जल्द नहीं दिया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। सफाई कर्मियों के समर्थन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी के मार्गदर्शन में नालछा ब्लॉक कांग्रेस और मांडू नगर कांग्रेस ने पहल की। उन्होंने अशर्फी महल के सामने 21 महिला सफाई कर्मियों से राखी बंधवाई और हर महिला को 1 साड़ी, 600 रुपये नकद और मिठाई का डिब्बा भेंट किया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

चिंता की विनाशक विशेषता

हमारी नब्बे प्रतिशत चिंता बेकार होती है। कई लोग चिंता में इतना डूबे रहते हैं कि आखिरकार वह उन्हें खा जाती है। उनकी चिंता का कारण कुछ भी हो सकता है, उनका अपना स्वास्थ्य, उनके प्रियजनों का स्वास्थ्य या फिर कोई अन्य निराधार चीज़। चिंता, व्यक्ति के जीवन को खा जाती है, उसकी सारी कर्म शक्ति निगलकर, बीमारी से लड़ने की ताकत खत्म करके उसे और बीमार कर देती है। चिंता की बीमारी कभी भी, किसी को भी लग सकती है। लेकिन जब कभी मैं खुद को फालतू की चिंता करता पाता हूं तो मैं अपने आप से पूछता हूं, 'क्या मेरा इस परिस्थिति पर नियंत्रण है ? क्या मैं अंत परिणाम को बदल सकता हूं? तो भूल जाओ इसे!' जी हां, मैं खुदको कहता हूं, 'इसे भूल जाओ!' और ये शब्द कानों में पड़ते ही, एक निश्चित आराम सा महसूस होता है। एक और बात जो आप खुदको कह सकते हैं, वह है, 'यह भी गुज़र जाएगा।' इस बात का अहसास होते ही कि परिस्थिति का परिणाम मेरे हाथों में नहीं, मन में होने वाला तनाव थोड़ा कम हो जाता है। निम्नलिखित कथन इस बात को समझने का बहुत अच्छा नज़रिए प्रदान करता है। वो चीजें जो कभी नहीं हो सकतीं, जिन चीज़ों के बारे में हम चिंता करते हैं, वो चीजें जो बीत चुकी हैं, जिन्हें अब बदला नहीं जा सकता, अपने स्वास्थ्य की बेबुनियाद चिंता, छोटी-छोटी, फुटकर चिंताएं, असली, वैध चिंताएं, इसका मतलब है कि 100 में से 92 चिंताएं बिल्कुल व्यर्थ होती हैं। जीवन में हमें भिन्न प्रकार की चिंताएं होती हैं, और हमारे मन में कितने सारे डर पैदा होते हैं: सही जीवन साथी न मिलने का डर, व्यापार में असफल होने का डर, मरने का डर, अपने किसी प्रियजन के गुज़र जाने का डर, गरीब होने का डर और ऐसे कई हजारों डर। निम्नलिखित तकनीकों की सहायता से आप अपने डर को नियंत्रित कर सकते हैं :- 1. अपने डर को उचित नज़रिए से देखें। 2. अपने डर का विश्लेषण करें। सोचें कि आपके डर का क्या कारण है ? 3. बुरे से बुरा क्या हो जाएगा? बुरे से बुरा होने पर भी आपका दिमाग़ तो आपके पास ही रहेगा न आप ज़िंदा तो रहेंगे न कितना बुरा हो जाएगा वास्तव में, आपको चिंतित करने वाली चीज़ आखिर कितनी महत्वपूर्ण है 4. एक कागज़ पर अपने मन में आने वाला दृश्यलेख लिखें और अपने आपको एक बात याद दिलाएं कि 92 चिंताएं, निराधार और गैरज़रूरी होती हैं। 'हम सब इस संसार में कोई महान काम करने की किस्मत लेकर जन्में हैं।' धन्यवाद

सतीश शर्मा

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा: आर्थिक निवेश, सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक संघ नेटवर्क का विस्तार

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है। इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि

प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं । इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' है । रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस 'विश्व-मित्र' वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है , जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है।

इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक 'बालगोकुलम' जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं। एचएसएस के माध्यम से प्रवासी भारतीय केवल सांस्कृतिक रूप से ही संगठित नहीं हो रहे हैं, बल्कि वे अमेरिकी समाज में परोपकार, आपदा प्रबंधन और स्थानीय सामुदायिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। संघ प्रमुख ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले स्वयंसेवकों का यह दायित्व है कि वे अपनी कर्मभूमि (अमेरिका) के प्रति पूरी तरह वफादार और अनुशासित रहते हुए अपनी मातृभूमि (भारत) के सांस्कृतिक गौरव को अक्षुण्ण रखें। यह रणनीतिक मार्गदर्शन आने वाले समय में पश्चिमी देशों में भारतीय प्रवासियों को एक ऐसे सुदृढ़ सामाजिक समूह के रूप में स्थापित करेगा, जो वैश्विक स्तर पर भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और भारत के पक्ष में एक सकारात्मक जनमत तैयार करने में अधिक सक्षम होगा।सकारात्मक आर्थिक संवाद और सांस्कृतिक महाकुंभ के समानांतर, इस यात्रा का वह अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन भी एक अनिवार्य पहलू है जिसने न्यूयॉर्क की राजनीति को गरमाए रखा । डॉ. भागवत की इस हाई-प्रोफाइल उपस्थिति का अमेरिकी मानवाधिकार लॉबी, कुछ नागरिक अधिकार संगठनों और स्थानीय राजनेताओं द्वारा तीखा विरोध किया गया है । उदाहरण के तौर पर, न्यू यॉर्क शहर के पहले भारतीय-अमेरिकी मेयर ज़ोहरान ममदानी ने सार्वजनिक रूप से इस आयोजन और संघ की विचारधारा पर अपनी गहरी वैचारिक असहमति व्यक्त की , हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक निजी संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम है, इसलिए नगर प्रशासन के पास इसे रोकने का कोई विधिक आधार नहीं है । इसके साथ ही 'हिंदूस फॉर ' और 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' जैसे कई मुखर संगठनों ने न्यू यॉर्क सिटी हॉल के बाहर और डिजिटल मंचों पर व्यापक विरोध अभियान चलाए , जिनका यह आरोप था कि संघ का मूल वैचारिक दर्शन भारत के बहुलवादी ढांचे को प्रभावित करता है, और इस तरह के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित मंचों पर संघ प्रमुख को स्थान मिलने से संगठन को वह वैश्विक वैधता और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है जिसके वे विरोधी हैं । इस पूरे विवाद को तब और राजनीतिक हवा मिली जब 'अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग' की पुरानी आलोचनात्मक रिपोर्टों का हवाला देकर विरोधी समूहों ने वीज़ा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया , जिसे भारत के विदेश मंत्रालय ने हमेशा की तरह पूरी तरह से पूर्वाग्रह से ग्रसित और पक्षपातपूर्ण मानकर खारिज कर दिया। इन तीखे विरोधों, तकनीकी चुनौतियों और सुरक्षा चिंताओं के बावजूद, इस यात्रा की निर्बाध निरंतरता और इसे मिल रहा भारी समर्थन यह अकाट्य रूप से सिद्ध करता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज वैश्विक विमर्श और अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में एक ऐसी अपरिहार्य शक्ति बन चुका है, जिसे अब वैश्विक मंचों पर नजरअंदाज कर पाना संभव नहीं है। भागवत की यह न्यूयॉर्क यात्रा केवल एक पारंपरिक प्रवास नहीं है, बल्कि यह भविष्य के भारत-अमेरिका संबंधों के इतिहास में एक नया वैचारिक और रणनीतिक अध्याय जोड़ने वाली घटना है। जहाँ एक तरफ इस यात्रा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के साथ सीधा संवाद स्थापित करके भारत में भविष्य की उन्नत तकनीकों और सुरक्षित निवेश के लिए विश्वास का एक नया माहौल तैयार किया है, वहीं दूसरी तरफ मैडिसन स्क्वायर गार्डन के मंच से 'वसुधैव कुटुंबकम' के दर्शन की गूंज ने भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को वैश्विक मंच पर एक नई ऊंचाई प्रदान की है। विरोध और समर्थन के इन वैश्विक अंतर्विरोधों के बीच, यह दौरा स्पष्ट रूप से दिखाता है कि आधुनिक भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को पूरा करने और दुनिया के सामने भारत का सकारात्मक पक्ष रखने में अब देश के प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भी राजनयिक चैनलों के समानांतर एक बेहद प्रभावशाली और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक परिणाम आने वाले समय में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होंगे।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

जिला कांग्रेस कार्यकारणी में ठाकुर उपाध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

धार ●कांग्रेस संगठन में अखिल भारतीय स्तर पर संगठन सृजन अभियान अंतर्गत की जा रही नियुक्तियों की श्रृंखला में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मंशानुसार धार जिले की कांग्रेस के इतिहास में अब तक की सबसे छोटी कार्यकारणी का गठन किया गया । जिसमें प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रभारी ऊषा नायडू की अनुशंसा पर जिले के ऊर्जावान अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने धार के अनुभवी, नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि, ऊर्जावान एड अजय डॉ मनोहर सिंह ठाकुर को धार जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। ठाकुर की नियुक्ति पर समस्त जिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल सहित कांग्रेस के समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों कांग्रेस कार्यकर्ता गणों ने बधाई दी, साथ ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी का आभार माना। उक्त जानकारी सूचना प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष शरद चौरसिया ने दी।

पीजी कॉलेज में हुआ 'माय भारत युवा कनेक्ट-खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

अजय नलवाया (7879800048)
धार ● दैनिक इंदौर संकेत

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धार में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 'माय भारत युवा कनेक्ट-खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों, माय भारत स्वयंसेवकों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, विशेष अतिथि कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष दीपक बिड़कर तथा विधायक प्रतिनिधि दीपेंद्र ठाकुर ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन कर किया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. बघेल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

'खेल की बात पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस एवं युवा नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जोड़ना है। साथ ही जिला स्तर पर युवाओं को प्रसिद्ध एवं स्थानीय खिलाड़ियों, सांसदों, विधायकों

तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से जोड़कर उन्हें खेल क्षेत्र की उपलब्धियों से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करना है। युवा संवाद के माध्यम से खेल परिवेश, प्रतिभा विकास, सुशासन एवं विकसित भारत को लेकर युवाओं के विचारों, दृष्टिकोण एवं आकांक्षाओं को सामने लाना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम के माध्यम से भारत की खेल आकांक्षाओं को विकसित भारत-2047 के विजन से जोड़ते हुए युवा नेतृत्व वाले खेल आंदोलन के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने का संदेश दिया गया। वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की भारत की महत्वाकांक्षा को भी युवाओं के साथ साझा किया गया। देशभर के प्रत्येक जिले से चयनित महाविद्यालयों में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, दीपक बिड़कर एवं दीपेंद्र ठाकुर ने विद्यार्थियों को खेलों के प्रति जागरूक करते हुए अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों से खेलों में सक्रिय भागीदारी करने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को खेल के साथ-साथ अध्ययन-अध्यापन में भी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होती है। उन्होंने युवाओं से उनकी रुचियों, खेलों के प्रति दृष्टिकोण एवं भविष्य की आकांक्षाओं को लेकर संवाद किया तथा खेल एवं शिक्षा के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जानकारी दी। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवक देवांश प्रजापति, कल्पना सोलंकी, रोहित तथा माय भारत के अमित भिगोरे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवक गोविंद राठौर, अरुण गोयल, विनोद सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं महाविद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन में डॉ. अमित पाटीदार एवं डॉ. सागर सेन सहित समस्त स्टाफ सदस्यों का सहयोग रहा।

बर्खास्त लिपिक से 3.24 लाख की वसूली होगी, राहत राशि परिचितों के खातों में भेजने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले की खालवा तहसील में सहायक ग्रेड-3 के पद पर रहते हुए राहत राशि के संदिग्ध भुगतान के मामले में बर्खास्त लिपिक भगवान वर्मा के खिलाफ अब प्रशासन ने वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी है। तहसीलदार खालवा से प्राप्त आरआरसी के आधार पर बर्खास्त लिपिक से 3 लाख 24 हजार 384 रुपए की राशि वसूल की जाएगी। इसके लिए खंडवा तहसीलदार को निर्देश जारी किए गए हैं कि भगवान वर्मा की खंडवा तहसील क्षेत्र में स्थित चल-अचल संपत्ति से उक्त राशि की वसूली सुनिश्चित करें।

प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, भगवान वर्मा वर्ष 2019 से 2023 तक तहसील खालवा में सहायक ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान वे नायब नाजिर शाखा से संबंधित कार्यों से जुड़े थे। आरोप है कि पद पर रहते हुए राहत राशि के कुछ भुगतान उनके परिचितों के बैंक खातों में किए गए। इन भुगतानों को प्रशासन ने संदिग्ध माना है। जांच एवं उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर इन भुगतानों से संबंधित 3,24,384 रुपए की राशि की वसूली किया जाना है।

मामले में भगवान वर्मा को पहले ही सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। अब प्रशासन ने सरकारी राशि की वसूली के लिए आरआरसी (रेवेन्यू रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी करने की कार्रवाई की है। आरआरसी के जरिए बकाया राशि को राजस्व बकाया की तरह वसूल किया जाता है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने खंडवा तहसीलदार को निर्देश दिए हैं कि भगवान वर्मा की खंडवा तहसील में स्थित चल-अचल संपत्तियों की जानकारी लेकर उनसे 3 लाख 24 हजार 384 रुपए की राहत राशि की वसूली की जाए। वसूली के बाद यह राशि तहसीलदार खालवा को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मामले में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि सरकारी राहत राशि के भुगतान के दौरान संबंधित लिपिक द्वारा कथित तौर पर अपने परिचितों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। प्रशासनिक जांच में इन भुगतानों को संदिग्ध पाए जाने के बाद अब संबंधित राशि की वसूली की प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि, प्रशासन द्वारा जारी जानकारी में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कितने लोगों के बैंक खातों में राशि भेजी गई थी और प्रत्येक खाते में कितनी-कितनी राशि ट्रांसफर हुई।

जिला जेल धार में 165 बंदियों की कलाई पर सजा रक्षा सूत्र, बहनों ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● रक्षा बंधन के पावन पर्व पर जिला जेल धार में रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निरूद्ध 160 पुरुष बंदियों की कलाई पर उनकी बहनों तथा 5 महिला बंदियों के भाइयों द्वारा रक्षा सूत्र बांधा गया। जिला जेल अधीक्षक ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जेल प्रबंधन द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। निर्धारित व्यवस्था के तहत बंदियों के परिजनों को उनसे प्रत्यक्ष मुलाकात की सुविधा उपलब्ध कराई गई।रक्षाबंधन के अवसर पर कुल 506 परिजनों एवं 178 बच्चों ने जिला जेल पहुंचकर बंदियों से प्रत्यक्ष मुलाकात की और उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। पर्व के दौरान जेल परिसर में सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहीं रही।

सिद्धिविनायक मंदिर में बंधी पहली राखी, 16 वर्गफीट की राखी पर द्वादश ज्योतिर्लिंग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● रक्षाबंधन के अवसर पर खरगोन में भगवान को पहली राखी बांधने की अनूठी परंपरा देखने को मिली। शुक्रवार सुबह शहर के करीब 500 साल पुराने श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर में भगवान गणेश को 16 वर्गफीट की विशेष राखी अर्पित की गई। राखी पर 12 ज्योतिर्लिंगों की तस्वीरें उकेरी गई थीं। इस दौरान शहर की सुख-समृद्धि, शांति और सुरक्षा की कामना की गई। यह विशाल राखी शहर की पलक भालसे ने करीब 15 दिनों की मेहनत से तैयार की। पलक हर साल भगवान गणेश के लिए अलग-अलग थीम पर राखी बनाती हैं। इस बार उन्होंने द्वादश ज्योतिर्लिंगों को थीम बनाया। उनका कहना है कि राखी बनाने का विचार पहले से तय नहीं होता, बल्कि ईश्वर की प्रेरणा से उन्हें थीम सूझती है। शुक्रवार सुबह पंडित प्रणय

भट्ट के सानिध्य में पलक ने श्वेता और अन्य बहनों के साथ भगवान सिद्धिविनायक को राखी अर्पित की। इससे पहले पलक भगवान के लिए 'विश्वगुरु भारत', 'अष्टविनायक गणेश' और 'सनातन भारत' जैसी थीम पर भी राखियां बना चुकी हैं।

एक ही पाषाण पर बनी है भगवान की प्रतिमा

मंदिर के पुजारी पंडित प्रणय भट्ट ने बताया कि भगवान सिद्धिविनायक की प्रतिमा एक ही पाषाण से बनी है। प्रतिमा के हाथ में शिवलिंग की अंगूठी, तीसरा नेत्र और सूंड पर नाग बना हुआ है। भगवान के गले में 108 दानों की रुद्राक्ष माला भी सुशोभित है। मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार, करीब 500 साल पहले नवलपुरा में नागा साधुओं ने बड़ा यज्ञ किया था। यज्ञ के बाद साधु भगवान की प्रतिमा लेकर कुंदा नदी के तट पर पहुंचे और रात में वहीं विश्राम किया। उन्होंने प्रतिमा को नदी किनारे रख दिया। सुबह जब साधुओं ने प्रतिमा को उठाने का प्रयास किया तो वह अपने स्थान से नहीं हिली। साधुओं ने इसे भगवान की इच्छा माना और प्रतिमा वहीं छोड़कर चले गए। इसके बाद कुंदा नदी के तट पर ही भगवान सिद्धिविनायक की प्राण-प्रतिष्ठा की गई।

हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की 121 वीं जयंती पर खिलाड़ियों को खेल सामग्री व वरिष्ठ प्रशिक्षकों का सम्मानित किया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉकी इंदौर एसोसिएशन, खेल व युवा कल्याण विभाग इंदौर व ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर द्वार प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद दादा की 121 वी जयंती (खेल दिवस) मनाई जाएगा । हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला व सहसचिव मो याकुब अंसारी ने बताया की कल दिनांक 29 अगस्त को शाम को 5:30 बजे मेजर ध्यानचंद की जयंती पर चिमनबाग हॉकी मैदान पर शहर के उबरते हुए खिलाड़ियों को खेल सामग्री का वितरण किया जाएगा एवं हॉकी क्षेत्र मे लबे समय तक योगदान देने वाले वरिष्ठ प्रशिक्षको को हॉकी खेल को प्रदेश व शहर मे हॉकी खेल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई रहे 11प्रशिशको सम्मानित किया जाएगा।

आर प्रज्ञानंदा ने रचा इतिहास, ग्रैंड शतरंज टूर जीतने वाले बने पहले भारतीय

सेंट लुइस (एजेंसी) ● भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूअर का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वह जीसीटी का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमरीका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने दो लाख डालर (लगभग 1.91 करोड़ रुपए) की प्राइज मनी अपने नाम की।

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से छह प्वाइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने दो प्वाइंट की बढ़त बनाए रखी और 15-13 के अंतिम स्कोर के साथ पहली बार ग्रैंड चेस टूअर का खिताब अपने नाम किया। तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में अमरीका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18-12 के अंतर से हराया। रैपिड सेक्शन में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला रहा, लेकिन वेस्ली सो ने लगातार चारों ब्लिट्ज गेम्स जीतकर एक मैच शेष रहते ही जीत तय कर ली। इस टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों के साथ ही अगले सीजन यानी 2027 ग्रैंड चेस टूअर के लिए टॉप-3 खिलाड़ियों ने डायरेक्ट क्वॉलिफाई कर लिया है। इन तीन खिलाड़ियों में चैंपियन प्रज्ञानानंदा, रनरअप फैबियानो कारूआना और तीसरे स्थान पर रहने वाले वेस्ली सो शामिल हैं। टूर्नामेंट सिंगल-एलिमिनेशन नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया, जिसमें चार खिलाड़ियों फैबियानो कारूआना, वेस्ली सो, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंदा ने हिस्सा लिया।

अल्वारेज के ट्रांसफर को लेकर बार्सिलोना और मैड्रिड में गतिरोध बरकरार

मैड्रिड (एजेंसी) ● अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर जूलियन अल्वारेज के ट्रांसफर को लेकर स्पेनिश क्लब बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड के बीच खींचतान जारी है। बार्सिलोना के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा ने कहा है किया कि क्लब ने अल्वारेज को लेकर मैड्रिड को दिया गया अपना प्रस्ताव अभी भी बरकरार रखा है पर समय सीमा तेजी से निकल रही है जिससे इस मामले के शीघ्र निपटाना होगा। ट्रांसफर की समयसीमा अगले सप्ताह समाप्त तक ही है पर मैड्रिड का रवैया अब तक साफ नहीं है। जिससे इस मामले में गतिरोध बना हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार बार्सिलोना ने गर्मियों की शुरुआत से ही अल्वारेज को शामिल करने प्रयास शुरु कर दिये थे। टीम उन्हें रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के संभावित विकल्प के तौर पर देखती है। क्लब ने इस युवा स्ट्राइकर के लिए 10 करोड़ यूरो से अधिक का भारी-भरकम प्रस्ताव दिया था पर उसे मैड्रिड ने स्वीकार नहीं किया था। लापोर्टा ने कहा कि अल्वारेज भी बार्सिलोना से खेलना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्लब अपनी रणनीति पर बरकरार है और एटलेटिको के प्रति सम्मान रखते हुए अपने प्रस्ताव को बरकरार रखेगा। लापोर्टा ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से इस सौदे को अंतिम रूप दे पाएंगे। अल्वारेज का भविष्य इस बार सबसे चर्चित ट्रांसफर चर्चाओं में से एक बना हुआ है। इस खिलाड़ी ने जुलाई में ही कहा था कि वह एटलेटिको छोड़ना चाहते हैं, और जून में भी उन्होंने संकेत दिया था कि सभी पक्षों के लिए एक स्थानांतरण बेहतर हो सकता है, जिससे वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बार्सिलोना में शामिल होना उनकी पहली प्राथमिकता है। वहीं दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड उन्हें छोड़ने को तैयार नहीं है। लापोर्टा ने कहा कि उन्होंने एटलेटिको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिगेल एंजेल गिल मारिन से बात की थी, जिन्होंने बताया कि क्लब के पास अल्वारेज का कोई उपयुक्त विकल्प नहीं है, इसलिए वे खिलाड़ी को नहीं बेच सकते। लापोर्टा ने जवाब दिया था कि यदि एटलेटिको को कोई विकल्प मिल जाता है और ट्रांसफर विंडो तब तक खुली रहती है, तो बार्सिलोना सौदे के लिए तैयार रहेगा। इस मामले ने दोनों स्पेनिश क्लबों के संबंधों में भी तनाव पैदा किया है।

'चुंबक' से कॉमेडी में कदम रख रहीं संदीपा धर

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री संदीपा धर आगामी वेब सीरीज चुंबक के साथ पहली बार कॉमेडी करती नजर आएंगी। गंभीर किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली संदीपा का कहना है कि कॉमेडी में उनकी शुरुआत बिल्कुल वैसी ही है, जैसी वह हमेशा से चाहती थीं। संदीपा ने कहा कि ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो और मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे वही मिला। उन्होंने कहा कि चुंबक उनके लिए सिर्फ एक नई शैली में काम करने का अवसर नहीं है, बल्कि कॉमेडी को एक अलग और ताजे अंदाज में समझने का मौका भी है। शो का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए संदीपा ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मुझे चुंबक का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। संदीपा ने कहा कि यदि आतिश और जेडी सर की बात करूं तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज बहुत पसंद आए हैं। स्पेशली, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती थी। इसलिए मैं सच में बहुत खुश हूं कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला। चुंबक के जरिए संदीपा धर का नया कॉमिक अंदाज दर्शकों के सामने आएगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि कॉमेडी की दुनिया में उनकी यह नई पारी दर्शकों को कितनी पसंद आती है।

जी5 पर जियो स्टूडियोज और गोल्डन रेशियो फ़िल्म, घमासान का ट्रेलर हुआ रिलीज़

मुंबई (एजेंसी) ● क्रिएटिविटी के क्षेत्र में सबसे मजबूत जोड़ियाँ दरअसल ऐसी कहानियों के लिए एक-जैसी समझ पर आधारित होती हैं, जो लीक से हटकर हो। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए, जी5, जियो स्टूडियोज़ और गोल्डन रेशियो फ़िल्म्स एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं, जो अलग और दमदार आवाज़ों का साथ देने, हिम्मत भरे क्रिएटिव फैसले लेने और दर्शकों के मनोरंजन को हमेशा सबसे ज्यादा अहमियत देने के हमारे साझा यकीन को दिखाती है। आज जी5, जियो स्टूडियोज़ और गोल्डन रेशियो फ़िल्म्स ने फ़िल्म घमासान का ट्रेलर रिलीज़ किया जिसमें प्रतीक गांधी, अरशद वारसी और इशिता दत्ता ने मुख्य किरदार निभाए हैं, जिसका प्रीमियर 11 सितंबर को होगा इसी प्लेटफ़ॉर्म पर होगा। घमासान को ज्योति देशपांडे (जियो स्टूडियोज़), पीयूष सिंह, अभयानंद सिंह, सौरभ गुप्ता और अश्विनी चौधरी (गोल्डन रेशियो फ़िल्म्स) और मितेन शाह (येलस्टार फ़िल्म्स) ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। तिग्मांशु धूलिया के निर्देशन में बनी फ़िल्म, घमासान का ट्रेलर दर्शकों को एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है, जहां दर्शकों को सत्ता, रस्साकशी और अपना वजूद बचाने की जंग नज़र आती है। हिंदी भाषी क्षेत्र की पृष्ठभूमि पर आधारित फ़िल्म घमासान में धूलिया का वही जाना-पहचाना अंदाज़ नज़र दिखाई देता है, जिसकी कहानी उसूलों की एक ऐसी जटिल दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है जहाँ सत्ता और अपने वजूद की लड़ाई में सही-गलत के जवाब आसानी से नहीं मिलते हैं। महाराज के रूप में अरशद वारसी और आदित्य के रूप में प्रतीक गांधी के बीच का टकराव पुलिस और मुजरिम के बीच की आम लड़ाई से कहीं बढ़कर है। यह सत्ता, वफ़ादारी, राजनीति और वजूद की इस पूरी दुनिया पर कब्ज़ा करने की एक बड़ी लड़ाई है, जहाँ कोई भी आसानी से हीरो नहीं बनता और नैतिकता के मायने भी सीधे तौर पर सही या गलत में नहीं बंटे होते हैं।

उज्जैन संभाग

सीएम की घोषणा याद दिलाने अतिथि प्रोफेसर, बंगले के बाहर बैठ

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● प्रदेश के 55 जिलों से उज्जैन पहुंचे अतिथि प्रोफेसर मुख्यमंत्री को उनकी घोषणा याद दिलाने के लिए सीएम आवास के सामने विक्रमादित्य शोधपीठ के गेट पर बैठ गए। इसमें बड़ी संख्या में महिला प्रोफेसर भी शामिल हुईं। अतिथि प्रोफेसरों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने 10 जुलाई को भोपाल के रविंद्र भवन में उच्च शिक्षा मंत्री की मौजूदगी में राखी पर्व तक उनके लिए नई नीति बनाने की बात कही थी। रक्षाबंधन बीतने के बाद भी नीति को लेकर कोई निर्णय नहीं होने पर वे मुख्यमंत्री को राखी बांधकर उनका वादा याद दिलाने पहुंचे। शुक्रवार को अलग-अलग विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से जुड़े अतिथि प्रोफेसर सीएम आवास के सामने बैठे नजर आए। उनका कहना है कि

चाहिए, जिससे विभागीय प्रक्रिया के तहत उन्हें स्थायी किया जा सके।

शिवपुरी से आए डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि वे मुख्यमंत्री को 10 जुलाई को भोपाल में किए गए वादे की याद दिलाने के लिए यहां पहुंचे हैं। वहीं, रतलाम से आईं डॉ. स्वाति गुप्ता ने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें राखी नहीं बांध देतीं, तब तक वे यहां से नहीं जाएंगी। इधर, सीएम आवास के सामने विक्रमादित्य शोधपीठ के गेट के बाहर बैठे अतिथि प्रोफेसरों को पुलिस और प्रशासन की टीम ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद सभी को शोधपीठ के अंदर भेज दिया गया।

मध्य प्रदेश सरकार को हरियाणा समेत अन्य राज्यों की तर्ज पर ऐसी नीति बनानी

रक्षाबंधन पर महाकाल को सवा लाख लड्डुओं का भोग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर में रक्षाबंधन पर भगवान महाकाल को सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया जाएगा। यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। शुक्रवार सुबह भस्म आरती में भगवान को लड्डुओं का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद प्रसाद भक्तों में वितरित किया। मंदिर में करीब चार दिन पहले भट्टी पूजन के बाद लड्डू बनाने का काम शुरू किया गया था। 20 से ज्यादा हलवाई लगातार लड्डू तैयार कर रहे हैं। मंदिर के ग्रीन रूम के पास बड़े स्तर पर इनका निर्माण किया जा रहा है। लड्डू शुद्ध देसी घी, बेसन, शक्कर और ड्रायफ्रूट्स से तैयार किए जा रहे हैं। मंदिर से जुड़े पुजारी आकाश गुरु ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी एक भक्त की ओर से लड्डुओं का निर्माण कराया जा रहा है। रक्षाबंधन पर तड़के 4 बजे भगवान महाकाल का पंचामृत अभिषेक-पूजन किया जाएगा। इसके बाद नवीन वस्त्र और आभूषणों से श्रृंगार कर भगवान को राखी बांधी जाएगी। फिर सवा लाख लड्डुओं का भोग लगाकर आरती हुई।

हॉर्न बजाने पर ट्रैक्टर एजेंसी मालिक का मर्डर, सड़क पर घेरकर चाकू मारे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● दमदमा में रास्ते से हटने के लिए हॉर्न बजाने पर 8-9 बदमाशों ने ट्रैक्टर एजेंसी मालिक को चाकू गोदकर मार डाला। 2 साथियों पर भी हमला किया, जिससे वे घायल हैं। पुलिस ने 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। दमदमा के मुताबिक, मृतक की पहचान ऋषि नगर एक्सटेंशन निवासी यश मित्तल (27) के रूप में हुई है। यश मूल रूप से तराना का रहने वाला था। वह माता-पिता के साथ उज्जैन में रहता था और चिमनगंज मंडी में ट्रैक्टर का शोरूम संचालित करता था। परिजन के मुताबिक, यश गुरुवार रात दोस्त अभय व्यास और मंगल के साथ कार से जा रहा था। दमदमा मोड़ के पास कुछ युवक अपने वाहन लेकर रास्ते में खड़े थे। रास्ता नहीं मिलने पर यश और उसके दोस्तों ने हॉर्न बजाया। इसी बात को लेकर युवकों से कहासुनी हो गई।

विवाद बढ़ने पर युवकों ने तीनों पर चाकुओं से हमला कर दिया। आरोपियों ने यश को पकड़कर उसके पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार किए। दोनों दोस्त किसी तरह वहां से निकलकर पुलिस के पास पहुंचे और घटना की जानकारी दी।

दोनों दोस्तों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हमलावर भाग चुके थे। पुलिस ने यश की तलाश शुरू की। करीब तीन घंटे बाद सुबह 5 बजे यश का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर जिला पंचायत कार्यालय के सामने मिला। चाकू लगने से घायल अभय और मंगल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। प्रारंभिक जांच में आयुष शर्मा, विजय सिंह ठाकुर, विशाल ठाकुर, आकाश, करण, सागर और शेंटू समेत अन्य युवकों के नाम सामने आए हैं।

टीआई गजेंद्र पचौरिया ने बताया- हमले के बाद आरोपी यश को घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर ले गए थे, जहां उसका शव मिला। यश के पैर और सीने में चाकू मारे गए थे। उसके दोनों दोस्तों अभय और मंगल की पीठ पर भी चाकू से वार किए गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस के मुताबिक, कुछ युवक दमदमा क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की भूमिका और हत्या की वजह की जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है।

54 किलो संदिग्ध मिठाई नष्ट की, एनालॉग मिल्क केक की मिठाई पर खाद्य विभाग की कार्रवाई से हड़कंप

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने मिलावटी और अमानक खाद्य सामग्री के खिलाफ अभियान शुरू किया है। गुरुवार को विभाग की टीम ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कई खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। सबसे बड़ी कार्रवाई शहीद पार्क, फ्रीगंज स्थित न्यू कैफे मयूरम पर हुई, जहां से 54 किलो संदिग्ध मिठाई जब्त कर नष्ट कराई गई। खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना मिली थी कि प्रतिष्ठान पर अमानक मिठाई बेची जा रही है। निरीक्षण के दौरान टीम को जोधपुर के पते वाले कार्टन में पैक मिठाई मिली। मौके पर 19 खाली डिब्बे भी मिले। जांच में सामने आया कि संचालक इन डिब्बों से मिठाई निकालकर उसे मिल्क केक के रूप में जमाकर ग्राहकों को बेच रहा था। मिठाई के पैकेट पर वेजिटेबल ऑयल, शुगर और मिल्क पाउडर लिखा था। विभाग के अनुसार यह उत्पाद एनालॉग मिल्क केक की श्रेणी में आता है। टीम ने मौके से 54 किलो मिठाई जब्त कर उसे नष्ट करा दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बसंत शर्मा ने बताया कि जब्त मिठाई और लिए गए सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सामग्री की गुणवत्ता के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई और दंड तय किया जाएगा।

कॉलेजों में समस्या, एबीवीपी ने कलेक्टोरेट घेरा, विद्यार्थी हुंकार अभियान के अंतर्गत पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर हुआ प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर एबीवीपी ने विद्यार्थियों के साथ गुरुवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार के नाम एडीएम को ज्ञापन सौंपा। शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर एबीवीपी द्वारा गुरुवार को विद्यार्थी हुंकार अभियान के अंतर्गत प्रदेश व्यापी प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने मार्च निकालकर कलेक्टोरेट के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान एबीवीपी के आदर्श चौधरी, सिद्धार्थ यादव, राजदीपसिंह चावड़ा, अनिमेषसिंह बैस, भूमिका सांखला, युवराज कुशवाह सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर नारेबाजी की। एबीवीपी ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि सरकार प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का तत्काल सर्वे कराते हुए ठोस

कार्रवाई सुनिश्चित करे। आदर्श चौधरी ने बताया एबीवीपी का यह विद्यार्थी हुंकार अभियान इस प्रदर्शन से प्रारंभ हुआ है। मांगों के पूर्ण होने तक एबीवीपी का यह अभियान जारी रहेगा। एबीवीपी के मालवा प्रांत मंत्री दर्शन कहार ने कहा यह चिंताजनक विषय है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित कई शासकीय महाविद्यालय इस समय मूलभूत सुविधाओं का अभाव और जर्जर अधोसंरचना से जूझ रहे हैं। प्रदेश के अधिकांश महाविद्यालयों में बाउंड्रीवाल क्षतिग्रस्त है या गायब है।

इस कारण परिसर असामाजिक तत्वों का गढ़ बन रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण एबीवीपी द्वारा भोपाल के एमवीएम महाविद्यालय में चलाए गए स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में मिली शराब की बोतलें हैं। महाविद्यालयों की कॅरियर गाइडेंस सेल ठप है। कैंटीन बंद है और पुस्तकालय पठन सामग्री के अभाव से जूझ रहे हैं। विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के लिए घंटों परेशान होना पड़ता है। इसलिए सरकार हमारी मांगों को स्वीकार करते हुए त्वरित निराकरण करे।

चंदन नगर फ्लाईओवर की राह में पानी और सीवरेज की लाइनें बनी रोड़ा

- आईडीए ने लाइन हटाने के लिए दिए तीन करोड़, बारिश के बाद ही हटेगी लाइनें
- लाइनें हटाए बिना निर्माण शुरू करना संभव नहीं है
- निगम बारिश के बाद सितंबर-अक्टूबर में इन्हें हटाने का काम शुरू करेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● धार रोड के चंदन नगर चौराहे पर प्रस्तावित फ्लाईओवर के निर्माण का इंतजार लंबा हो गया है। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने योजना तैयार करने से लेकर निर्माण एजेंसी तक का चयन कर लिया, लेकिन जमीन के नीचे बिछी पानी और सीवरेज लाइनें परियोजना के रास्ते में रोड़ा बन गई।

दो से तीन माह लगने का अनुमान लाइनें हटाए बिना निर्माण शुरू करना संभव नहीं है। अब नगर निगम बारिश के बाद सितंबर-अक्टूबर में इन्हें हटाने का काम शुरू करेगा। इसमें करीब दो से तीन माह लगने का अनुमान है। ऐसे में फ्लाईओवर का निर्माण 2027 में ही शुरू हो सकेगा।

आईडीए को निगम दे रखा है पैसा आईडीए लाइने हटाने के लिए नगर निगम को तीन करोड़ रुपये भी जारी कर चुका है। इसके बावजूद निर्माण की शुरुआत में देरी तय है। आइडीए ने फ्लाईओवर को करीब एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। प्रशासन की कोशिश इसे सिंहस्थ से पहले तैयार करने की है, लेकिन निर्माण शुरू होने में ही देरी होने से तय समय में काम पूरा करना बड़ी चुनौती बन गया है।

सिंहस्थ के पहले करना है- करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन का फ्लाईओवर बनाया जाएगा। आईडीए अधिकारियों का कहना है कि परियोजना का उद्देश्य सिंहस्थ से पहले यातायात व्यवस्था को बेहतर करना है। प्लानिंग और अन्य प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और लाइन हटाने के साथ ही काम तेज गति से शुरू कर कर दिया जाएगा।

प्लानिंग में सुधार की जरूरत- बीते दिनों संभागायुक्त एवं आइडीए अध्यक्ष भास्कर लक्षकार द्वारा समीक्षा बैठक ली गई थी, इसमें प्लानिंग पार्ट पर सुधार के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने निर्देश दिए थे कि किसी भी परियोजना को शुरू करने से पहले सभी बाधाओं को चिन्हित कर उन्हें दूर करने की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि निर्माण समय पर पूरा हो सके। चंदन नगर फ्लाईओवर में भी एजेंसी का चयन पिछले वर्ष हो चुका था, लेकिन भूमिगत पाइपलाइन के कारण काम आगे नहीं बढ़ पाया।

पोर्टल बंद होने से जिला शिक्षा केन्द्र के कर्मचारियों को जून से नहीं मिला वेतन

फीका रहा रक्षाबंधन का त्योहार, जिले के सभी बीआरसीसी, सीएसी, बीएसी प्रभावित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर कार्यालय में ही स्थित जिला शिक्षा केन्द्र के कर्मचारी पिछले तीन महीने से वेतन से वंचित हैं। त्योहारों के इस महीने में वेतन नहीं मिलने से कर्मचारी परेशान हैं। अभी हाल ही आई बाढ़ में कई कर्मचारी प्रभावित हुए हैं, जिन्हें आर्थिक सहायता की तत्काल आवश्यकता है लेकिन डीपीसी की लापरवाही के कारण वेतन आहरण नहीं हो पाया और पोर्टल बंद हो गया। एक तरफ कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी प्रशासनिक व्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हैं और सरकारी योजनाओं को गति देने के लिए कार्यों में ढिलाई करने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों पर कार्रवाई भी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्हीं के कार्यालय के ऊपर संचालित जिला शिक्षा केन्द्र के अधिकारी द्वारा की लापरवाही के कारण विभाग के कर्मचारियों को तीन महीने से वेतन नहीं मिल पा रहा है।

अधिकारी के लापरवाही की सजा सैकड़ों कर्मचारी और शिक्षकों के साथ-साथ उनका परिवार भी भुगत रहा है। जून महीने से किसी को वेतन ही नहीं मिला है। इसके चलते रक्षाबंधन का त्योहार भी फीका ही गुजर गया। सभी विभाग की तरफ आस लगाए हुए है लेकिन अधिकारी इस संबंध में चुप्पी साधे हुए हैं। बताया जाता है कि राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा डीपीसी को पहले ही चेताया गया था लेकिन उन्होंने चेतावनी को हल्के में लिया जिस कारण पोर्टल बंद हो गया।

बाढ़ प्रभावित कर्मचारी और शिक्षक परेशान

उल्लेखनीय है कि कई शिक्षक और कर्मचारी बाढ़ में प्रभावित हुए हैं। उनका पूरा घर डूब जाने से वर्तमान समय में उनके पास कुछ भी नहीं बचा है। जो बैंक बैलेंस था वह घर को दोबारा से सवारने में खर्च हो जाने से अब बैंक खाता भी खाली है। बच्चों की फीस, किताबें खरीदने तक के पैसे नहीं बचे हैं। ऐसे कर्मचारियों का रक्षाबंधन का त्योहार आर्थिक संकट के साथ बीता।

पहले ही चेताया गया था डीपीसी को अलर्ट-सूत्रों के मुताबिक राज्य शिक्षा केन्द्र से स्पर्श पोर्टल बंद होने के बारे में पहले ही अलर्ट मैसेज डीपीसी के पास पहुंच गया था। डीपीसी को कहा गया था कि सभी कर्मचारियों के वेतन आहरण कर दिया जाए। इसके बावजूद इसमें ध्यान नहीं दिया गया जिससे पोर्टल बंद हो गया। अब पोर्टल खुल ही नहीं रहा है जिस कारण वेतन आहरण नहीं हो पा रहा है। जिला शिक्षा केन्द्र अंतर्गत काम करने वाले कर्मचारियों एवं शिक्षकों को वेतन कब तक मिल पाएगा, इसकी कोई समयसीमा भी नहीं बताई जा रही है।

बैंकों का लोन तक नहीं चुका पा रहे : कई शिक्षक और कर्मचारी ऐसे हैं जिन्होंने अपने निजी कार्यों के लिए बैंकों से कर्ज ले रखा है और हर महीने वेतन से किस्त भी कटवा रहे हैं। लेकिन तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण बचत से किस्त कट रही थी। अब किस्त की रकम कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। वेतन न मिलने से कर्मचारी मानसिक रूप से डिप्रेशन में चले गए हैं। विभाग द्वारा वेतन नहीं देने के बाद भी काम का दबाव बराबर बनाया जा रहा है।

प्रदेश में परीक्षा सिस्टम बदला! पेपर लीक रोकने अब जिला स्तर पर बनेंगे क्वेश्चन पेपर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्कूल शिक्षा विभाग ने तिमाही परीक्षाओं में बदलाव किया है। अब प्रश्नपत्र जिला स्तर पर बनेंगे। पेपर लीक होने पर केवल संबंधित जिले की परीक्षा प्रभावित होगी।

मध्यप्रदेश में स्कूल परीक्षाओं की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। शिक्षा विभाग ने कक्षा 9वीं से 12वीं की तिमाही परीक्षाओं के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब प्रश्नपत्र राज्य स्तर पर तैयार नहीं होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के अपर संचालक रविंद्र सिंह ने कहा है कि इस बार प्रश्नपत्र जिले स्तर पर तैयार होंगे।

परीक्षा की तारीखें और समय सारिणी-कक्षा 9वीं और 11वीं की तिमाही परीक्षा सात सितंबर से शुरु होगी। यह 17 सितंबर तक चलेगी। परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। नौवीं-10वीं की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी। 11वीं-12वीं की परीक्षा दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी। करीब 30 लाख विद्यार्थी इसमें शामिल होंगे। परिणाम 25 सितंबर तक जारी होंगे।

दोबारा परीक्षा के खर्च से डर

स्कूल शिक्षा विभाग पेपर लीक से ज्यादा दोबारा परीक्षा कराने के खर्च से चिंतित है। पिछले अनुभवों में पेपर लीक के बाद पूरे प्रदेश में दोबारा परीक्षा करानी पड़ी थी। इसी वजह से नौवीं से 12वीं तक की तिमाही परीक्षाओं की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है।

नौवीं में ब्रिज कोर्स पर खास फोकस

नौवीं की परीक्षा में करीब 50 प्रतिशत सवाल ब्रिज कोर्स से पूछे जाएंगे। अंग्रेजी में बेसिक और स्टैंडर्ड, दो अलग प्रश्नपत्र होंगे। नौवीं और 10वीं में गणित के भी दो पेपर तैयार होंगे। हर बंडल पर डाइस कोड, वाटरमार्क और सील रहेगी।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी? वही स्कूल शिक्षा विभाग के अपर संचालक रविंद्र सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इस बार जिले स्तर पर प्रश्नपत्र तैयार किए जाएंगे। प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी की गई है।

अब जिला स्तर पर बनेंगे प्रश्नपत्र-पहले प्रश्नपत्र राज्य स्तर पर तैयार होते थे। अब यह जिम्मेदारी जिला स्तर को दी गई है। इससे फायदा यह होगा कि पेपर लीक होने पर सिर्फ संबंधित जिले की परीक्षा प्रभावित होगी। कार्रवाई का दायरा भी जिले और स्कूल तक सीमित रहेगा।

ब्लूप्रिंट और मास्टर ट्रेनर की भूमिका-प्रश्नपत्र विमर्श पोर्टल पर मौजूद ब्लूप्रिंट के आधार पर बनेंगे। यह ब्लूप्रिंट जिला शिक्षा अधिकारी के लॉगिन पर उपलब्ध रहेगा। उत्कृष्ट विद्यालयों के प्राचार्य इसके आधार पर प्रश्नपत्र तैयार कराएंगे। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को इस काम में प्राथमिकता दी जाएगी। यह प्रक्रिया दो सितंबर तक पूरी करनी होगी। तीन सितंबर तक प्रश्नपत्र स्कूलों तक पहुंचाए जाएंगे।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने फैक्टरी बंद कराई, फिर 17 लाख की गारंटी पर खोल दी, हाईकोर्ट से नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अजीबोगरीब फैसला हुआ है। जिसमें प्रदूषण के चलते पहले फैक्टरी को बंद किया गया। लेकिन फिर 17 लाख की गारंटी पर खोलने के आदेश हो गए। इसे अन्य उद्योगपतियों ने चुनौती दी है, जिस पर हाईकोर्ट से नोटिस हुए हैं। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक स्टील फैक्टरी को लेकर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अजीबोगरीब फैसला हुआ है। इसे मे. पेन्सोल इंडस्ट्रीज लिमटेड और गुजरात अंबुजा एक्सपोर्टस लिमटेड ने हाईकोर्ट इंदौर में चुनौती दी है, जिस पर अब सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

यह है विवाद-मुद्रा स्टील इंडिया प्राली इकाई पीथमपुर के सेक्टर-।। में स्थित है और इंडक्शन फर्नेस के जरिए टीएमटी स्टील बार और रॉड का बनाती है। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता अभिनव धनोतकर का कहना है कि याचिका में है कि अप्रैल 2024 में व्यावसायिक उत्पादन बाद से ही फैक्टरी प्रदूषण फैला रही है। इसे लेकर प्रदूषण बोर्ड को लगातार शिकायतें हुई। अप्रैल 2026 में दो बार निरीक्षणस में कमियां पाई गई। इसके बाद 8 मई को बोर्ड ने 8 मई 2026 को वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31ए के तहत क्लोजर आदेश जारी किया था। इसमें इकाई का उत्पादन तत्काल बंद करने और बिजली आपूर्ति काटने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन बाद में 16 जून को यह आदेश वापस ले लिया। इंडस्ट्री को पर्यावरणीय नियंत्रण से जुड़े जरुरी कार्य 31 जुलाई 2026 तक पूरे करने की अनुमति दी।

क्लोजर आदेश के बाद चलती रही

याचिका में यह भी आरोप लगाए गए हैं कि क्लोजर आदेश जारी होने के बावजूद 9 मई 2026 से यूनिट का संचालन जारी रहा। बिजली कनेक्शन भी नहीं काटा गया। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि केवल बैंक गारंटी जमा करना प्रदूषण नियंत्रण का आधार नहीं हो सकता।

छोटे बच्चे चौराहों पर बेच रहे राखी और पूजन सामग्री, दर्जनों को किया गया रेस्क्यू

त्योहार आते ही भिखारियों की संख्या बढ़ी, भीख देने वालों पर भी एक्शन

प्रमुख चौराहों और मंदिरों पर विभाग की नजर, देने वालों पर भी रखी जा रही निगाह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● त्योहारों का मौसम शुरू होते ही शहर के प्रमुख मंदिरों और भीड़?भाड़ वाले चौराहों पर भिक्षावृत्ति करने वालों की संख्या बढ़ने लगी है। रक्षाबंधन और सावन के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए भिक्षुक उन्मूलन अभियान की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। अगस्त माह में अब तक तीन दर्जन तक भिक्षुकों का रेस्क्यू किया जा चुका है। प्रतिदिन सुबह से लेकर रात तक टीमें नजर बनाए हुए हैं। वहीं इस बार भी भिखारी के साथ-साथ भीख देने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जा रही है।

हर दिन मिल रहे 5 से ज्यादा भिखारी

10 अगस्त को 1, 17 को 5, 20 को 7, 22 को 10, 24 को 7 और 25 अगस्त को 4 भिक्षुकों का रेस्क्यू किया गया है। अभियान के नोडल अधिकारी दिनेश मिश्रा के अनुसार रेस्क्यू किए गए लोगों को प्रक्रिया के तहत उज्जैन भेजा जा रहा है। इंदौर के गाड़ी अड्?डा स्थित रैन बसेरा में शेल्टर होम बनाया गया है, जहां रेस्क्यू किए गए लोगों को रखा जाता है।

शहर में बड़े-बड़े धार्मिक आयोजन और सावन के दौरान मंदिरों में बढ़ती हुई भीड़ को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने काम करना शुरू किया है, जिसका परिणाम यह है कि अब तक इस माह में ही 34 से अधिक भिखारियों को रेस्क्यू कर उज्जैन भेजा जा चुका है। विशेष रूप से खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, बड़ा गणपति, कांच मंदिर सहित दलालबाग अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विभाग की नजर है। इसके अलावा राजबाड़ा, पलासिया, विजय नगर, भंवरकुआं, गीता भवन, एमआर-9 और प्रमुख बाजारों से जुड़े चौराहों पर भी टीमें निगरानी कर रही हैं। त्योहारों के दौरान मंदिरों के बाहर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के भिक्षावृत्ति करने की स्थिति में मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि पूर्व में रेस्क्यू कर उज्जैन भेजे गए लोगों की भी लगातार काउंसलिंग की जा रही है, ताकि वे दोबारा भिक्षावृत्ति से न जुड़ें और सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति बार-बार भिक्षावृत्ति करते हुए पकड़ा जाता है और यह उसकी आदतन गतिविधि पाई जाती है तो उसे केवल समझाइश देकर नहीं छोड़ा जा रहा, बल्कि नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। त्योहारों के दौरान अभियान को और तेज करने की तैयारी है। ज्ञात हो कि शहर में जैन समाज के चातुर्मास और राखी के त्योहार को देखते हुए बंजारों की भीड़ पर नजर रखी जा रही है। विभाग अब समाज के लोगों को ही इस अभियान में जोड़ रहा है।

बोट क्लब की नगर निगम को ना पिपलिया पाला रीजनल पार्क की परेशानी बढ़ी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम ने बोट क्लब यानी पर्यटन विकास निगम को पत्र लिखा और संपर्क किया। बारिश का थोड़ा बहुत पानी रीजनल पार्क यानी पीपलिया पाला तालाब में है। यहां बोट क्लब की शुरुआत की जा सकती है। इधर बोट क्लब की ना के बाद नगर निगम की परेशानी और बढ़ गई है। पहले ही रीजनल पार्क की देखरेख नहीं हो रही है। ऊपर से खर्च हो रहा वह अलग है।

बताया जा रहा है कि रीजनल पार्क को लेकर लगातार नगर निगम अपने स्तर पर काम कर रहा है। यहां तीसरी से चौथी मर्तबा निजी हाथों में सौंपने के लिए टेंडर तो निकाल लिए हैं, लेकिन अनुबंध की शर्तों को लेकर और सालाना मिलने वाली निगम को राशि को लेकर कुछ तय नहीं होने और उसमें सहमति नहीं होने के कारण। ठेका निरस्त कर दिया जाता है। एक तरह से देखा जाए तो रीजनल पार्क की स्थिति अब खराब हो रही है। यहां पर पर्यटकों की संख्या बेहद कम हो गई है जिसके चलते यहां पर मात्र 52 कर्मचारी तैनात है उसमें भी कटौती की जा रही है क्योंकि वेतन देना भी नगर निगम को भारी पड़ रहा है। इसके पीछे एक कारण यह है कि बोट क्लब को शुरू करने के योजना की थी और मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम को पत्र भी लिखा और संपर्क भी किया, लेकिन पर्यटन विकास निगम की ओर से साफ तौर से इनकार कर दिया गया है क्योंकि नगर निगम चाहे जब शुरू कर देता है और चाहे जब परेशानी खड़ी कर देता है।

नगर निगम में नई व्यवस्था

अतिरिक्त पाइपलाइन की जरूरत होने पर रेस्टोरेशन को डी-स्कोप नहीं होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ड्रेनेज पाइपलाइन, स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन एवं जलप्रदाय पाइपलाइन बिछाने के कार्यों में किसी भी स्थिति में रेस्टोरेशन कार्य को डी-स्कोप नहीं किया जाएगा। यहीं नहीं पाइपलाइन बिछाने के दौरान यदि स्थल की स्थानीय आवश्यकता अथवा तकनीकी परिस्थितियों के कारण स्वीकृत लंबाई से अधिक पाइपलाइन डालने की आवश्यकता उत्पन्न होती है, तो प्रचलित प्रावधानों के अनुसार संबंधित अपर आयुक्त अथवा सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा सकेगा। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने निगम के सभी विभाग प्रमुख और अफसरों को निर्देश देकर स्पष्ट किया है कि पाइपलाइन बिछाने के कार्य में रेस्टोरेशन के लिए स्वीकृत प्रावधानों एवं राशि का समुचित ध्यान रखा जाए तथा किसी भी परिस्थिति में रेस्टोरेशन कार्य को हटाकर अथवा डी-स्कोप करके पाइपलाइन का कार्य पूर्ण नहीं किया जाए। उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के अपालन की स्थिति में संबंधित अधिकारी/कर्मचारी का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

वी-आर-वन रेस्टोरेंट में मोमोज में मिली इल्लियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर एक और शिकायत सामने आई है। सी-21 मॉल के पीछे डायमेंशन फर्नीचर के सामने स्थित वी-आर-वन रेस्टोरेंट में मोमोज के अंदर इल्लियां मिलने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता ने घटना के फोटो और वीडियो खाद्य विभाग को सौंपते हुए रेस्टोरेंट की जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता दीपक मीणा के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे वह अपने दोस्तों के साथ रेस्टोरेंट में मोमोज खाने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें मोमोज में कथित तौर पर इल्लियां रेंगती हुई दिखाई दीं। मामला सामने आने के बाद उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक सिद्धार्थ मालवीय और कर्मचारी सोनू पाल से इसकी शिकायत की।

दीपक मीणा का आरोप है कि उन्होंने जब रेस्टोरेंट संचालक और कर्मचारी को मोमोज में इल्लियां होने की जानकारी दी तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कर्मचारी सोनू पाल ने कहा कि रेस्टोरेंट में मोमोज नहीं बनाए जाते और इसके लिए रेस्टोरेंट की कोई गलती नहीं है।

फोटो-वीडियो के साथ खाद्य विभाग में शिकायत

घटना के बाद शिकायतकर्ता ने खाद्य विभाग को मामले की जानकारी दी। शिकायत में उन्होंने इसे लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए रेस्टोरेंट की खाद्य सामग्री के रखरखाव और साफ-सफाई की जांच की मांग की है। शिकायत के साथ फोटो, वीडियो और रेस्टोरेंट की लोकेशन भी उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, मोमोज में वास्तव में इल्लियां थीं या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि खाद्य विभाग की जांच के बाद ही हो सकेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।